सर्व शिक्षा अभियान मिशन

सब पढें, सब बढें

वार्षिक अहेवाल - २००६-२००७

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद्
सर्व शिक्षा अभियान मिशन
सेक्टर - १७,गांधीनगर
गुजरात

गुजरात

बनासकांठा
कच्छ
पाटण
महेसाणा
साबरकांठा
गांधीनगर
दाहोद
सुरेन्द्रनगर
अहमदाबाद
खेडा
पंचमहाल
आणंद
जामनगर
राजकोट
वडोदरा
भरुच
नर्मदा
पोरबंदर
भावनगर
अमरेली
सुरत
जुनागढ
नवसारी
डांग
वलसाड

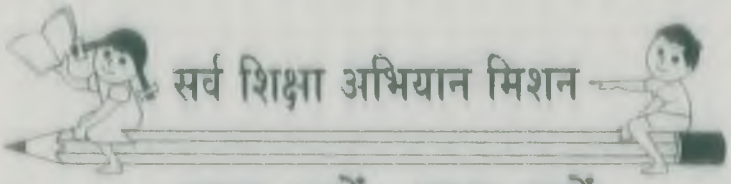

सब पढ़ें, सब बढ़ें

वार्षिक अहेवाल - २००६-२००७

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद्
सर्व शिक्षा अभियान मिशन
सेक्टर - १७,गांधीनगर
गुजरात

अनुक्रमणिका

क्रम	विषय	पृष्ठ संख्या
प्रकरण : १	गुजरात : राज्य की विशेषताएं	१
प्रकरण : २	अध्यापनविद्या परिप्रेक्ष्य में	३
प्रकरण : ३	वृरस्थ शिक्षा	९
प्रकरण : ४	समुदायों का अभिप्रेरण	१३
प्रकरण : ५	कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान	१७
प्रकरण : ६	विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का	२०
प्रकरण : ७	विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा	२४
प्रकरण : ८	मिडिया और अनुलेखन	३१
प्रकरण - ९	मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम (MIS)	३३
प्रकरण - १०	प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट	३४
प्रकरण - ११	निर्माण कार्य	३६
प्रकरण - १२	वित्त और लेखा	४०

आमुख

चूं कि शैक्षिक पिरामिड की बुनियाद प्राथमिक शिक्षा होती है, गुजरात सरकार ने इसके विकास को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में हर बस्ती से एक किलोमीटर की त्रिज्या में एक प्राथमिक स्कूल है तथा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात १:३४ है, जो कि राष्ट्रीय मापदंडो के अनुसार ठीक ही है ।

विविध योजनाओं के अमलीकरण का परिणाम यह प्राप्त हुआ है कि कक्षा १ से ७ के बच्चों का स्कूल छोड जाने का दर, जो कि १९९६-९७ में ४९.४९ था, घटकर वर्ष २००६-०७ में १०.२९ पर आ पहुँचा है अर्थात् स्थायीकरण दर अब ८९.७१ है । कक्षा १ से ५ के बच्चों का स्कूल छोड जाने का दर वर्ष १९९६-९७ में ३५.४० था, जो कि वर्ष २००६-०७ में घटकर ३.२४ हुआ है अर्थात् इनका स्थायीकरण दर ९६.७६ है ।

गुजरात में वर्ष - २००६-०७ के दौरान कुल १,७४,५०४ शिक्षकों को ३४,५०,०२४ मानव दिवसों के लिये प्रशिक्षण डिस्ट्रीक्ट प्रोजेक्ट ऑफिस तथा डायट द्वारा दिया गया । जिला परियोजना इकाईयों द्वारा बी.आर.सी. स्तर पर तथा डायट द्वारा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. स्तर पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया ।

बडी संख्या में लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए टेलिकोन्फरन्सिंग एक किफायती माध्यम साबित हुआ । इस माध्यम को कन्या शिक्षा प्रोत्साहन, वैकल्पिक शिक्षा के व्यवस्थापन, विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा के संचालन एवं अगले वर्ष के लिए वार्षिक कार्य योजना और बजेट की तैयारी करने जैसे विषयों का जिला, बीआरसी तथा सीआरसी कोऑर्डिनेटर को प्रशिक्षण देने के लिए असरदार तरीके से उपयोग किया गया । विकलांगों की शिक्षा के विषय पर आयोजित ऐसी ही एक टेलिकोन्फरन्स में हमने एक मंदबुद्धि बालक रेझा के साथ साक्षात्कार किया था, जिसने अपनी खूबसूरत चित्रकारी के लिए कइ राष्ट्रीय और आंतरराष्ट्रीय पारितोषिक जीते हैं । इस कार्यक्रम में उसकी माताने उसकी परवरिश के बारे में तथा अन्य संबंधित समस्याओं के बारे में अपने निजि अनुभवों की चर्चा की ।

एन.पी.ई.जी.ई.एल ने इस वर्ष के दौरान खूब गति हांसिल की और एम. एस. ए. के कन्या शिक्षा घटक को सुदृढ किया । वर्ष २००६-०७ के दौरान इस योजना से कुल ११,४२,९७८ कन्याएं लाभान्वित हुई । इसके एक नये कार्यक्रम 'समता' द्वारा कक्षा २, ३ और ४ के गणित और गुजराती विषयों के अतिरिक्त वर्गों द्वारा बच्चों की सिद्धि स्तर को बढाने की कोशिश की गई । यह अतिरिक्त वर्ग हर क्लस्टर की ५ स्कूलों में बालमित्रों द्वारा विशेष मोड्युल के अनुसार चलाये गए । गुजरात के कुल १८ जिलों में कुल मिलाकर ४४ के.जी.बी.वी खोली गई, जिनमें १८ ए - प्रकार की (११५० कन्याएं दाखिल), १२ बी - प्रकार की (५०२ कन्याएं नामांकित) १४ सी - प्रकार की (५७५ कन्याएं नामांकित) थीं । इन सभी के.जी.बी.वी में कुल २२२७ कन्याएं नामांकित हैं ।

वर्ष के दौरान लक्षित २,८८,८५० स्कूल के बाहर रहनेवाले बच्चों मेंकी कुल १,९५,३७८ बच्चों को गुजरात के वैकल्पिक शिक्षा कार्यक्रम के ब्रेक-टू-स्कूल प्रोग्राम के अंतर्गत समा लिया गया । स्कूल से बाहर रहे कुल १,४८,३८० बच्चों को सफलतापूर्वक स्कूलों में वापस लाया गया है, जिनमें ७३,८८१ कन्याएं और ७४,४९९ कुमार शामिल है ।

सप्टेम्बर, २००६ में पूर्ण हुए सर्वेक्षण के अनुसार गुजरात के सभी जिलों में ६-१८ वयजूथ के विभिन्न विकलांगता वाले कुल ७१,२४४ बच्चे है, जिन में ६१,२२४ स्कूल में और १०,०२० स्कूल से बाहर हैं । वर्ष २००५-०६ और २००६-०७ में कुल ४५,६५० विशेष आवश्यकतावाले बच्चों को विभिन्न प्रकार की साधन सामग्री दी गई ।

गुजरात में राज्य सरकार द्वारा कन्या शिक्षा में सुधार लाने के लिए किये गए प्रयासों के विषय में एक ३० - मिनट की अंग्रेजी दस्तावेजी फिल्म अहमदाबाद के सरदार पटेल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लीक एडमिनिस्ट्रेशन के लिए बनाई गई । कन्या शिक्षा सुधार पर उक्त फिल्म के साथ एक विस्तृत केस स्टडी भी बनाया गया और सरदार पटेल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लीक एडमिनिस्ट्रेशन को सौंपा गया ।

इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेन्ट के रवि मथाई सेन्टर फोर एज्युकेशन इनोवेशन के पुस्तक "शिक्षा संगम इनोवेशन अन्डर एस.एस.ए." में गुजरात में टेलिकोन्फरन्सिंग, रेइन-वोटर हार्वेस्टिंग, कन्या शिक्षा के लिए एन.पी.इ.जी.इ.एल. तथा अन्य कार्यक्रमों के विषय में विस्तृत लेख प्रकाशित किये गए ।

सर्व शिक्षा अभियान गुजरात का बच्चों को खेलकूद की सहूलतों के साथ शिक्षा प्रदान करने का प्रयास 'बाला' (बिल्डींग एझ ए लर्निंग एइड) स्कूल भवन के विभिन्न भागों को विशेष तौर पर निर्मित करके, शिक्षा में सर्वांगी एवं गुणवत्तासभर सुधार लाने की दिशा में एक नवाचारी संकल्पना है । राज्यभर में मोडल स्कूल्स विकसित करने के इस कार्यक्रममें १०० नये स्कूलों तथा १५० प्रवर्तमान स्कूलों को शामिल किया गया है । इन सभी मोडेल स्कूलों में तमाम इच्छनीय सहूलतें प्रदान की जाती हैं, जैसे कि फर्निचर, उपकरण, बिजली, ग्रंथालय, कम्प्यूटर लेबोरेटरी, शौचालय, पेयजल सुविधा और विशेष आवश्यकतावाले बच्चों के लिए पहुंच, इत्यादि । उपरांत, खेल-कूद के साधन और सहूलतें, वर्गखंड तथा गलियारों का समुचा विकास स्कूल की अध्यापन की आवश्यकता और सामर्थ्य के अनुसार किया जाता है । ये सभी मिलकर स्कूल के परिसर में सीखने के लिए एक अधिक सुविधापूर्ण वातावरणका निर्माण करता है ।

कुल मिलाकर देखा जाए तो परियोजना के लक्ष्यों को सिद्ध करने की दृष्टि से सभी घटकों के तहत इस वर्ष के दौरान संतोष-जनक प्रगति हुई है । यह वर्ष एस. एस. ए. मिशन के लिए मध्य-बिंदु का भी वर्ष था और यह देखकर हौसला बहुत मजबूत हुआ कि हम सही रास्ते पर हैं । हमारे यहां राज्य से आधार स्तर तक कर्मियों की क्षमता निर्मित हो चूकी है, सुचारु तंत्र स्थापित हो चूका है और संचालन प्रणालि अच्छे से काम कर रही है, यह देखते हुए, लगता है कि हम सभी लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त कर लेंगे, जो कि सिर्फ वक्त की ही बात है । जी हां ! यह सिर्फ वक्तभर की ही बात है।

(मीना भट्ट)

स्टेट प्रोजेकट डायरेकटर

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद

प्रकरण : १

गुजरात : राज्य की विशेषताएं

१.० विस्तार और जनसंख्या

गुजरात का विस्तार है करीब १.९६ लाख वर्ग कि.मी. । राज्य २५ जिलों और २२४ तालुकों में विभाजित है । जनगणना २००१ के हंगामी आंकडों के अनुसार राज्य की कुल आबादी ५.०६ करोड है ।

भारत का ६.१९ प्रतिशत विस्तार गुजरात है । राज्य की जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का ४.९३ प्रतिशत है ।

१.१ घनता

गुजरात में आबादी की घनता २५८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर थी वर्ष २००१ में । अहमदाबाद जिले में सर्वाधिक घनता पाई गई है, जो कि ७१८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर हैं, जबकि सब से कम घनता कच्छ जिले में पाई गई है, जहां ३५ व्यक्ति प्रति किलोमीटर विस्तार में रहते है ।

१.२ लैंगिक अनुपात

गुजरात का लैंगिक अनुपात, जो कि १९९१ में ९३४ था, घटकर ९२१ हुआ है। डांग और अमरेली जिलों में सर्वाधिक अनुपात ९८६ है, जब कि सुरत जिले का लैंगिक अनुपात ८३५ राज्य में सबसे कम है।

अनुसूचित जाति के लिये राज्य का लैंगिक अनुपात ९२५ है, जो कि शहरी विस्तारों में ९११ और ग्रामीण विस्तारों में ९३४ है । अनुसूचित जनजाति के लिये राज्य का लैंगिक अनुपात ९७४ है, जो कि शहरी विस्तारों में ९२६ और ग्रामीण विस्तारों में ९७८ है ।

१.३ साक्षरता

राज्यकी साक्षरता (० - ६ वर्ष के बच्चों के अलावा), जो कि वर्ष १९९१ में ६१.२९ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढकर ६९.१४ प्रतिशत हुई है। पुरुषों में साक्षरता वर्ष १९९१ में ७३.१३ प्रतिशत थी, जो कि वर्ष २००१ में बढकर ७९.६६ प्रतिशत हुई है, जब कि महिला साक्षरता, जो कि वर्ष १९९१ में ४८.६४ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढकर ५७.८६ प्रतिशत हुई है। ग्रामीण विस्तारों का साक्षरता दर ६१.२९ प्रतिशत है, जब कि शहरी विस्तारों में साक्षरता दर ८१.८४ प्रतिशत है। सर्वाधिक साक्षरता दर ७९.८९ प्रतिशत अहमदाबाद जिले का रहा, जब कि न्यूनतम साक्षरता दर ४५.६५ दाहोद जिले का पाया गया।

१.४ शहरीकरण

जनगणना २००१ के हंगामी आंकडों के अनुसार गुजरात की ३७.३५ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों में रहती है । कच्छ, जामनगर और राजकोट जिले के आंकडे इसमें शामिल नहि, क्युंकि भूकंप के कारण इन जिलो में जनगणना सम्पन्न नहि हो सकी थी । वर्ष १९९१ में यह शहरी जनसंख्या ३४.४९ प्रतिशत थी । राज्य में सब से अधिक शहरीकृत जिला अहमदाबाद है जहां ८०.०९ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों मे रहती है, जब कि डांग एक ऐसा जिला है जो कि संपूर्ण ग्रामीण है जहां शहरी जनसंख्या बिलकुल नहि है।

१.५ अनुसूचित जातियाँ एवं अनुसूचित जनजातियाँ

जनगणना २००१ के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जाति की आबादी ३५,९२,७१५ है, जो कि कुल आबादी का ७.९ प्रतिशत है । इनमें १८,६६,२८३ पुरुष हैं, जो कि ७.०७ प्रतिशत है और १७,२६,४३२ महिलाएँ हैं, जो कि ७.११ प्रतिशत हैं । राज्य में अनुसूचित जाति की शहरी आबादी १४,१२,२२४ है, जो कि ३९.३१ प्रतिशत हैं । ग्रामीण विस्तारो में अनुसूचित जाति की आबादी २१,८०,४४१ है जो कि ६०.६९ प्रतिशत है ।

जनगणना २००१ के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जनजाति की आबादी ७४,८१,१६० है, जो कि कुल आबादी का १४.७६ प्रतिशत है । इन में ३७,९०,११७ पुरुष हैं, जो कि १४.३६ प्रतिशत है और ३६,९१,०४३ महिलाएँ हैं, जो कि १५.२० प्रतिशत

हैं । राज्य में अनुसूचित जनजाति की शहरी आबादी ६,१४,५२३ है, जो कि ८.२१ प्रतिशत है । ग्रामीण विस्तारों में अनुसूचित जनजाति की आबादी ६८,६६,६३७ है, जो कि ९१.७९ प्रतिशत है ।

१.६ प्राथमिक शिक्षा

चूंकि शैक्षिक पिरामिड की बुनियाद प्राथमिक शिक्षा होती है, गुजरात सरकार ने इसके विकास को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में हर बस्ती से एक किलोमीटर की त्रिज्या में एक प्राथमिक स्कूल है तथा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात १:३४ है, जो कि राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार ठीक ही है।

विविध योजनाओं के अमलीकरण का परिणाम यह प्राप्त हुआ है कि कक्षा १ से ७ के बच्चों का स्कूल छोड़ जाने का दर, जो कि १९९६ - ९७ में ४९.४९ था, घटकर वर्ष २००६ - ०७ में १०.२९ पर आ पहुँचा है अर्थात् स्थायीकरण दर अब ८९.७१ है । कक्षा १ से ५ के बच्चों का स्कूल छोड़ जाने का दर वर्ष १९९६-९७ में ३५.४० था, जो कि वर्ष २००६-०७ में घटकर ३.२४ हुआ है अर्थात् इनका स्थायीकरण दर ९६.७६ है ।

वर्ष २००६-०७ के दौरान राज्य में कुल ३९,१८३ प्राथमिक स्कूल्स हैं जिन में ३३,०६१ सरकार/पंचायतों द्वारा चलाए जाते हैं जबकि ६,०८२ सहायित/असहायित निजी संस्थानों द्वारा ।

इस वर्ष के दौरान कक्षा १ से ७ में बच्चों का कुल नामांकन ७५,४३,७२८ है, जिनमें ४०,४३,१६२ लडके तथा ३५,००,५६६ लडकियाँ हैं। १ से ५ में बच्चों का कुल नामांकन ५७,३२,७०८ है, जिनमें ३०,३७,३४४ लडके तथा २६,९५,३६४ लडकियाँ हैं।

१.७ मुफ्त पाठ्य - पुस्तकें

जिला शिक्षा समिति और म्युनिसिपल स्कूल बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में कक्षा १ से ७ के बच्चों को मुफ्त पाठ्य - पुस्तक देने की योजना का बहुत अच्छा असर हुआ है - इससे नामांकन तथा स्थायीकरण के दर में वृद्धि हुई है ।

१.८ प्राथमिक स्कूलों में कक्षा की बढोतरी

यह देखा गया है कि बच्चों के प्राथमिक शिक्षा पूर्ण न करने का प्रमुख कारण है गाँव में कक्षा ५ से आगे पढने की सुविधा न होना । इस समस्या को हल करने के लिए हर गाँव में कम-से-कम एक प्राथमिक स्कूल की कक्षा में बढोतरी करके उसे उच्चतर प्राथमिक स्कूल बनाया गया है।

१.९ विद्यालक्ष्मी योजना

विद्यालक्ष्मी योजना राज्य के उन गाँवों में लागू की गइ है जहाँ महिला साक्षरता ३५ प्रतिशत से कम है। इस योजना का उद्देश्य है प्राथमिक स्कूलों में कन्याओं का १०० प्रतिशत नामांकन और स्थायीकरण सिद्ध करना। इस के तहत कक्षा १ में नामांकित होनेवाली हर कन्या को रु. १०००० के मूल्य के नर्मदा बोन्ड दिए जाते हैं जो कि सात वर्ष के बाद परिपक्व होते हैं जिन्हें वह सात वर्ष की प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् ही प्राप्त कर सकती है।

१.१० विद्यादीप योजना

स्कूल में पढनेवाले बच्चों को बीमे की सुरक्षा प्रदान करने के हेतु से राज्य सरकारने विद्यादीप योजना शुरु की है। २६ जनवरी, २००१ के दिन भूकंप में जान गँवानेवाले बच्चों की स्मृति में शुरु की गइ इस योजना का लाभ प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चमाध्यमिक स्कूलों के बच्चों को प्राप्त होता है। राज्य सरकार इसके प्रिमियम की सालाना किश्त अदा करती है । इसके तहत रु. २५,००० की रकम का बीमा प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिये एवं रु. ५०,००० की रकम का बीमा माध्यमिक और उच्चमाध्यमिक स्कूल के बच्चों के लिए किया जाता है ।

प्राकृतिक मृत्यु और आत्महत्या के अलावा किसी भी दुर्घटना में जान गँवानेवाले बच्चे के माता-पिता को बीमा कम्पनी द्वारा बीमे की रकम अदा की जाती है । इस विषय में स्कूल के आचार्य द्वारा, बच्चे की मृत्युके एक सप्ताह के भीतर ही, एक नियत प्रमाणपत्र जारी किया जाता है । जिसके आधार पर बीमे की रकम १५ दिनों के भीतर ही चेक द्वारा अदा कर दी जाती है ।

प्रकरण : २

अध्यापनविद्या परिप्रेक्ष्य में

२.० अध्यापनविद्या प्रणालि का नवीनीकरण

सर्व शिक्षा अभियान के तहत गुजरात में अध्यापनविद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया को अप्रतिम सफलता प्राप्त हुई है । अध्यापनविद्या प्रणालि के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अध्यापकों, विश्व विद्यालयों के व्यवसायियों, कोलेजों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ विचार विमर्श कर विकेन्द्रीकरण की ओर ज्यादा ध्यान दिया गया है। जिला स्तर पर भी ऐसे ही विचार विमर्शों की प्रणालि लागू करने के प्रयास किए गए है । ब्लोक एवं क्लस्टर के स्तर पर संसाधन केन्द्रों की रचना से प्रशासकीय निरीक्षण प्रणालि में भी बदलाव आया है। अब शिक्षकों के प्रशिक्षण के अनुसरण और सहायरूप मुलाकातों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जहाँ शिक्षकों को शैक्षिक मशवरे प्रदान किये जाते हैं, ताकि वे सिखने-सिखाने की बदलती स्थितियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें ।

उपर्युक्त संदर्भ में नई पाठ्यपुस्तकों के विकास, शैक्षिक मुल्यांकन, नई अध्यापन विद्या के प्रति शिक्षकों के अभिप्रेरण की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं, जिन्हें विद्यार्थी केन्द्रित, प्रवृत्ति आधारित एवं आनंददायी सिखाने / पढाने की पध्धति के विस्तृत परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है । अध्यापन विद्या के लिए विशेष रूप से गठित राज्य संसाधन जूथ अध्यापन विद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ब्लोक एवं क्लस्टर संसाधन केन्द्रों को कार्यान्वित किया गया है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी विद्यालयों को टी.एल.एम. और विद्यालय अनुदान मुहैया कराए गए है ।

२.१ कक्षा ८ के बच्चों को मुफ्त पाठ्य - पुस्तकें

राज्य सरकार के द्वारा कक्षा १ से कक्षा ७ के सभी बच्चों को मुफ्त पाठ्य पुस्तकें दी जाती हैं। गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान के तहत कक्षा ८ की मुफ्त पाठ्य पुस्तकें सभी कन्याओं को तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के लडकों को दी जाती है ।

२.२ बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डीनेटर्स की स्थिति

गुजरात के सभी जिलों में नियुक्त बी.आर.सी. / सी.आर.सी. संकलनकारों की स्थिति इस प्रकार है:

क्रम	जिला	बी.आर.भी की संख्या	सी.आर.सी की संख्या
१	अहमदाबाद	११	१४०
२	अहमदाबाद कोर्पोरेशन	-	४३
३	अमरेली	११	१२१
४	आणंद	८	१२५
५	बनासकांठा	१२	२००
६	भरुच	८	१०२
७	भावनगर	११	१४५
८	दाहोद	७	९५
९	डांग	१	३२
१०	गांधीनगर	४	५७
११	जामनगर	१०	१४४

क्रम	जिला	बी.आर.सी की संख्या	सी.आर.सी की संख्या
१२	जूनागढ	१४	१६४
१३	खेडा	१०	१८७
१४	कच्छ	१०	१७६
१५	महेसाणा	९	९६
१६	नर्मदा	४	७०
१७	नवसारी	५	८४
१८	पंचगहाल	११	१६६
१९	पाटण	७	६९
२०	पोरबंदर	३	३४
२१	राजकोट	१४	१४९
२२	राजकोट कोर्पोरेशन	-	२३
२३	साबरकांठा	१३	२१४
२४	सुरत	१४	२१८
२५	सुरत कोर्पोरेशन		३३
२६	सुरेन्द्रनगर	१०	१३५
२७	वडोदरा	१२	२१०
२८	वडोदरा कोर्पोरेशन		१६
२९	वलसाड	५	१०३
	कुल	२२४	३३५१

२.३ विद्यासहायको की नियुक्ति और प्रशिक्षण

गुजरात सरकार द्वारा लागू की गइ विद्यासहायक योजना के तहत, विद्यासहायकों की नियुक्ति अलग-अलग चरणों में लागू हो रही है । डायस रिपोर्ट के अनुसार ३०.९.२००६ के दिन गुजरात में कुल २,३२,७२५ शिक्षक कार्यरत थे, जब कि शिक्षकों के १२,८३४ पद रिक्त थे । वर्ष २००६-०७ के दौरान कुल २२,८२६ विद्यासहायकों को राज्यमें नियुक्त किया गया । वर्ष १९९८-९९ में शुरू की गई विद्यासहायक योजना के तहत, अबतक गुजरात में कुल ९४,८३९ विद्यासहायकों की नियुक्ति की गई है ।

पिछले वर्ष प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा इस वर्ष के दौरान बी.आर.सी. स्तर पर विद्यासहायकों को क्षमता आधारित प्रशिक्षण दिया गया। नए विद्यासहायकों को डीपीईपी और एसएसए के अमलीकरणमें उनकी भूमिका और कार्य प्रणालि के अलावा प्रवृत्ति आधारित उल्लासमय सीखने / पढने की प्रक्रिया की तकनीकों के बारे में अभिसंस्करित किया गया।

२.४ शिक्षक प्रशिक्षण

पूर्व की व्याख्यान आधारित एकपक्षीय प्रक्रिया के स्थान पर शिक्षक प्रशिक्षण में अब अधिक आंतरक्रिया युक्त द्विपक्षी प्रक्रिया को अपनाया गया है । इस प्रकार के प्रशिक्षण में भाषण के स्थान पर प्रशिक्षार्थियों को एक प्रयोगात्मक अनुभव देने का प्रयास होता है, जैसे कि कोई प्रवृत्ति करना, भूमिका अदा करना, गद्यपाठ करना अथवा कुछ विशेष कार्य या कवायत करना ताकि तालीम के

दौरान ही स्वानुभव द्वारा पृथ्थकरण किया जा सके । इस प्रकार, प्रयोगात्मक प्रशिक्षणने पूर्व के उस प्रशिक्षण का स्थान लिया है जिस में प्रतिभागी की कोइ भुमिका नही होती थी।

२.४.१ एसएसए में शिक्षक प्रशिक्षण की रणनीति

अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया में शिक्षक की प्रमुख भुमिका होती है और वे वर्गखंड में गुणवत्ता सुधार के लिए जिम्मेदार होते है । वर्गखंड स्थिति में शिक्षक की क्षमता का आधार उसके विविध विषयों के ज्ञान एवं कौशल्य तथा अध्यापनविद्याकीय पध्धतिओं पर है । इसके उपरांत, शिक्षक के रुझान, तत्परता और रुचि के स्तर तथा बच्चों के माता-पिता एवं स्थानिक समुदायों के साथ आंतरक्रिया करने की क्षमता का भी वर्गखंड में गुणवत्ता सुधार करने में योगदान होता है ।

सामान्यतया शिक्षकों एवं स्कूलों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें अध्यतन अध्यापनविद्याकीय पध्धतिओं एवं प्रक्रियाओं का शुमार किया जाता है । प्रशिक्षण से शिक्षकों के व्यवसायिक विकास में एवं सार्वत्रिक प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार में मदद मिलती है ।

गुजरात में ३३,०६१ प्रथामिक स्कूल है जिसमें व्यवसायिक रुप से प्रशिक्षित शिक्षको द्वारा शिक्षा दी जाती है ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत जिला कर्मियों के मार्गदर्शन में बीआरसी एवं सीआरसी कोओर्डीनेटर्स के जरिये शिक्षकों को २० दिन की सेवाकालीन तालीम दी गई । डायेट्स द्वारा आवश्यकता अनुसार विषयवस्तु की तथा जिला परियोजना कार्यालय द्वारा एसएसए के व्यवस्थापन की तालीम दी गई । गुजरात एचीवमेन्ट प्रोग्राम (जी.ए.पी.) द्वारा सूचित कठिन बिंदुओं को सरल बनाया गया, जिन्हें एकीकृत करके विविध विषयों के मोडयूल्स डायेट्स द्वारा बनाये गए ।

सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्यांकों को सिध्ध करने के लिए क्लस्टर और ब्लोक स्तर पर वर्गखंड आंतरक्रिया, टीएलएम विकास, प्रवेशोत्सव, संपूर्ण गुणवत्ता व्यवस्थापन, स्कूलों तथा शौचालयों को निभाना जैसे विविध विषयों की तालीम दी जाती है । स्टेट रीसोर्स ग्रुप (एस.आर.जी.) तथा डीस्ट्रीक्ट रीसोर्स ग्रुप (डी.आर.जी.) द्वारा मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया जिन्हों ने क्लस्टर रीसोर्स ग्रुप (सी.आर.जी.) के सदस्यों को क्लस्टर स्तर के प्रशिक्षण की तालीम दी । आवश्यकता अनुसार ब्लोक तथा क्लस्टर स्तर पर विविध विषयों की अनुरामर्थन सामग्री मुद्रित की गई जिसे एस.आर.जी. तथा बी.आर.जी. को दिया गया ।

की रीसोर्स पर्सन्स (के.आर.पी.) को राज्य स्तर पर इस प्रकार के प्रशिक्षण की तालीम दी गई जिनके द्वारा जिला स्तर पर तथा जिला स्तर के के.आर.पी. द्वारा तालुका स्तर के रीसोर्स पर्सन्स को प्रशिक्षण दिया गया । अंततोगत्वा, ईन रीसोर्स पर्सन्स द्वारा क्लस्टर स्तर पर सभी शिक्षकों को वर्ष २००६-०७ के दौरान प्रशिक्षण दिया गया ।

एसएसए का एक उद्देश्य है प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता का सुधार करना । इसे सिध्ध करने के लिए प्राथमिक स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन एवं स्थायीकरण आवश्यक है । इस लक्ष्य को गुजरात में अंशतः सिध्ध किया गया है ।

शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए यह जरुरी है की शिक्षकों को विषयवस्तु, कौशल्य पूर्ण वर्गखंड आंतरक्रिया तथा आधुनिक शिक्षा के अनुभव से सुसज्जित किया जाए । वर्ष २००६-०७ के दौरान राज्य में निम्नदर्शित विषयों पर शिक्षक-प्रशिक्षण दिया गया ।

२.४.२ गणित के कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा का प्रशिक्षण

कक्षा ५, ६ और ७ के शिक्षकों को गणित के विविध कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया, जैसे कि कठिन एकमों की पहेचान, व्याख्याओं, पदों, सूत्रों और प्रमेयों को विद्यार्थियों के समक्ष अच्छे से पेश करना तथा भूमिति के पाठों और आकृतियों को बेहतर पद्धति से समझाना ।

२.४.३ विज्ञान के कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा का प्रशिक्षण

कक्षा ५, ६ और ७ के शिक्षकों को विज्ञान के कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया, जैसे कि विविध

व्याख्याओं एवं संकल्पनाओं को समझाना, प्रयोगों का अच्छा निदर्शन करना तथापि विद्यार्थियों के भीतर वैज्ञानिक अभिगम, रुझान, अवलोकन एवं निर्णायक क्षमता को विकसाना, इत्यादि ।

२.४.४ व्याकरण प्रशिक्षण : हिन्दी, गुजराती और अंग्रेजी

कक्षा ५, ६ और ७ के शिक्षकों को हिन्दी, गुजराती और अंग्रेजी के व्याकरण के विविध अंगों का प्रशिक्षण दिया गया, जैसे कि क्रियापद, विशेषण, नाम, सर्वनाम, संयोजक, संयुक्ति, इत्यादि ।

२.४.५ भाषाओं का असरदार शिक्षण

कक्षा १ से ४ के शिक्षकों को भाषाओं की असरदार शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया जिसका उद्देश्यथा बच्चों के भाषाकीय कौशल्य एवं वाचनक्षमता का विकास करना ।

२.४.६ असरदार वर्गखंड आंतरक्रिया के लिए गणित के कौशल्यों का विकास

कक्षा ५, ६ और ७ के शिक्षकों को गणित की मूळभूत संकल्पनाओं की असरदार शिक्षा के लिए प्रशिक्षण दिया गया जिसका हेतु था वर्गखंड आंतरक्रिया को सक्रिय और सरल बनाना ।

२.४.७ पर्यावरण की शिक्षा का प्रशिक्षण

कक्षा १ से ४ के शिक्षकों को पर्यावरण की असरदार शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया जिसके हेतु इस प्रकार थे: विद्यार्थियों में पर्यावरण एवं उसकी सुरक्षा के विषय में जागृति पैदा करना, इस विषय में उनकी अपनी भूमिका समझाना, विज्ञान और टेकनोलोजी में हुए विकास के बारे में समझाना इत्यादि। बच्चों में वाहनों एवं मार्ग सुरक्षाके बारे में जानकारी देने एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए शिक्षकों को तालीम दी गइ ।

२.४.८ पर्याप्त मूल्यांकन

कक्षा १ से ७ के शिक्षकों को विद्यार्थियों के मूल्यांकन के तमाम पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया, जैसे कि मौखिक, लेखित और प्रवृत्तियों की कसौटियों के लिए पर्याप्त मूल्यांकन सामग्री विकसित करना ।

२.४.९ लेखन, कथन और काव्यपठन के कौशल्यों का विकास

कक्षा १ से ७ के शिक्षकों को बच्चों में रचनात्मक कौशल्य विकसित करनेकी तालीम दी गइ, जैसे कि लेखन, कथन एवं काव्य पठन ।

२.४.१० सहअभ्यासिक प्रवृत्तियों के आयोजन

कक्षा १ से ७ के शिक्षकों को विद्यार्थियों के लिए विविध सहअभ्यासिक प्रवृत्तिओं के आयोजन की तालीम दी गइ । उन्हें बच्चों के लिए पर्यटन के हेतु भिन्न भिन्न विभागों और सत्ता मंडळों से मंजूरी प्राप्त करने तथा प्रवास के लिए आरक्षण प्राप्त करने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया ।

२.४.११ प्रवेशोत्सव का आयोजन

कक्षा १ से ७ के शिक्षकों को प्रवेशोत्सव के सुचारु आयोजन की विशेष तालीम दी गइ ताकि वे स्थानिक जनसहयोग से ग्राम स्तर पर ६ से १४ वर्ष वयजुथ का एक भी बच्चा स्कूल से बाहर न रह पाए तथा नामांकित बच्चा प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करे ।

२.४.१२ विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा

अल्प से मामूली विकलांगतावाले बच्चों को उपयुक्त एवं पर्याप्त शिक्षा देने के हेतु से कक्षा १ से ७ के शिक्षकों को दृष्टि, श्रवण, अस्थि एवं मानसिक विकलांगताओं से संबंधित मुद्दों तथा समस्याओं का प्रशिक्षण दिया गया । इन बच्चों को मुख्य प्रवाह में सहजता से सम्मिलित करने के लिए उनकी विशेष आवश्यकताओं के बारे में शिक्षकों को संवेदित किया गया । विशेष जरूरतवाले इन बच्चों की शिक्षा के लिए स्थानिक स्तर पर जनसमर्थन एवं सहयोग प्राप्त करने के लिए उन्हें तालीम दी गई ।

२.४.१३ शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिए ग्राम्य शिक्षण समिति की भूमिका

कक्षा १ से ७ के शिक्षकों को जन सहयोग सम्भावित करने के विषय में तथा स्थानिक युवा संगठनों तथा ग्राम्य शिक्षण समिति को स्कूल के संचालन एवं व्यवस्थापन में शामिल करने का प्रशिक्षण दिया गया ताकि उनके सहयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके ।

२.४.१४ शिक्षा के नए प्रवाहों की तालीम

कक्षा १ से ७ के शिक्षकों को सर्व शिक्षा अभियान के एन.पी.ई.जी.ई.एल, के.जी.बी.वी, कम्प्यूटर सहायित शिक्षा तथा जीवन कौशल्यों के विकास जैसे विविध घटकों की तालीम दी गई ताकि असरदार तरीकों से वे स्कूल के स्तर पर इनका व्यवस्थापन कर सकें ।

२.५ वर्ष २००६-०७ के दौरान गुजरात में जिलावार शिक्षक प्रशिक्षण

एस.एस.ए के तहत जिला स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. द्वारा स्थानिक डायेट के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है, जिन्हें कि अध्यापनविद्याकीय तथा शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पहचान तथा आयोजन करने की सत्ता प्रदान की गई है। इस हेतु विशेष धनराशि एस.एस.ए. के तहत इन्हें दी जाती हैं ।

गुजरात के सभी जिलों तथा म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तारों में शिक्षकों को आधुनिक अध्यापनविद्या के विविध आयामों की तालीम दी गई । उदाहरणार्थ, बालकेन्द्रित एवं संदर्भित टी.एल.एम. का निर्माण, सभी विषयों के कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा, नई पाठ्य पुस्तकें, स्कूल स्तर का शैक्षिक आयोजन तथा सर्व शिक्षा अभियान की अमलवारी, इत्यादि । गुजरात में वर्ष - २००६-०७ के दौरान कुल १,७४,५०४ शिक्षकों को ३४,५०,०२४ मानव दिवसों के लिये प्रशिक्षण डिस्ट्रीक्ट प्रोजेक्ट ओफिस तथा डायट द्वारा दिया गया । जिला परियोजना इकाईयों द्वारा बी.आर.सी. स्तर पर तथा डायेट द्वारा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. स्तर पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया, जिसका विवरण नीचे दिया गया है ।

एस.एस.ए. कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण (वर्ष २००५-०६)

क्रम	जिला	प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	मानव दिवसों में प्रशिक्षित
१	अहमदाबाद	६३५७	११७८९२
२	अमरेली	५२३५	९९८०६
३	आणंद	६७०१	१३२५११
४	बनासकांठा	११६१४	२२५८८०
५	भरूच	४८२७	१००१६७
६	भावनगर	९७३६	१८७८१५
७	दाहोद	७४११	१४४९११
८	डांग	१३५४	२७५१०
९	गांधीनगर	४१४५	८४५५८
१०	जामनगर	६४३४	११४०३४
११	जूनागढ	८८९९	१४९२९९
१२	खेडा	८९५७	१७९३९०
१३	कच्छ	५७६०	११५३०५

क्रम	जिला	प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	मानव दिवसों में प्रशिक्षित
१४	महेसाणा	६७५६	१५५७७५
१५	नर्मदा	२३७३	४९८४०
१६	नवसारी	४३०१	८४९३४
१७	पंचमहाल	१०२१९	२०७६७०
१८	पाटण	४७९७	१००८२४
१९	पोरबंदर	१६८०	३३१०८
२०	राजकोट	७१८०	१३८५८३
२१	साबरकांठा	१०५३१	२३५६७५
२२	सुरत	८०६८	१५५१९३
२३	सुरेन्द्रनगर	६२१२	१२४९११
२४	वडोदरा	९५०६	१८६५५२
२५	वलसाड	५०११	९७७८५
२६	अहमदाबाद कोर्पो.	५०४०	८९१२८
२७	वडोदरा कोर्पो.	१११३	२४५०७
२८	राजकोट कोर्पो	९०७	१७८४२
२९	सुरत कोर्पो.	३४४०	६९४१९
	कुल	१७४५०४	३४५००२४

२.६ टी.एल.एम. सामग्री

वर्गखंड में शिक्षा के आदान-प्रदान को असरदार बनाने के लिए टी.एल. एम. अनिवार्य है। प्रवृत्ति आधारित शिक्षा और बाल केन्द्रित शिक्षा प्रणाली के प्रचलन के चलते गुजरात में एस.एस.ए. में 'जानकारी मुहैया' करवाने के बजाय 'अनुभवों पर आधारित' शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। आमतौर पर प्राथमिक शालाओं के स्तर पर देखा जाये तो गुजरात के विभिन्न समुदायों के पास टी.एल.एम. का एक सस्ता लेकिन प्रचुर मात्रा में सभर स्त्रोत मोजुद हैं । इसी विचार के चलते इस स्त्रोत का उपयोग कर कम खर्चीला टी.एल.एम. विकसित किया गया । शिक्षकों को वार्षिक रु. ५०० का अनुदान दिया गया, जिन्होंने उसका उपयोग टी.एल.एम. बनाने में किया । टी.एल.एम. के विकास और उत्पादन के लिए प्रशिक्षण शिबिरों का आयोजन किया गया ।

२.७ स्कुल अनुदान

स्कुलों में प्राथमिक सुविधाओं के विकास, जैसे कि, मामुली मरम्मत, अतिरिक्त प्रशिक्षण सामग्री की खरीदारी, आनंददायी तरीकों से शिक्षा प्रदान करने के लिए कुछ नए साधन एवं स्कुल के वातावरण को मोहक बनाने के लिए स्कुल की दिवारों पर चित्र बनाने जैसे कइ छोटे-मोटे कामों के लिए रु. २००० के स्कुल अनुदान भी आवंटित किये गए । इस अनुदान की राशि के उपयोग में लचीलापन होने की वजह से अब उन्हे स्कुल के विकास हेतु छोटी सी धनराशि के अनुदान के लिए लंबे अरसे तक राह नहीं देखनी पडती ।

प्रकरण : ३

दूरस्थ शिक्षा

३.० डी.ई.पी. - एस.एस.ए. युनिट

डी.पी.ई.पी. के प्रशिक्षण कार्यक्रमोंमें दूरस्थ शिक्षा को एक महत्वपूर्ण अंग बनाने के उद्देश्य से सन १९९७ में डिस्टन्स एज्युकेशन प्रोग्राम (डी.ई.पी.) अर्थात् दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी (ईग्नू) के सहयोग से शुरु किया गया था । इसके अनुसंधानमें डी.ई.पी. - डी.पी.ई.पी. युनिट गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद् के गांधीनगर स्थित राज्य परियोजना कार्यालय में शुरु किया गया था । सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.) की शुरूआत राज्य में होने के पश्चात्, सप्टेम्बर २००३ में डी.ई.पी. - डी.पी.ई.पी. युनिट बंद कर दिया गया । उसके स्थान पर डी.ई.पी. - एस.एस.ए. युनिट को गुजरात में प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए १ अक्तुबर, २००३ को शुरु किया गया ।

३.१ डी.आर.एस. सेट्स

डायरेक्ट रिसेप्शन सिस्टम (डी.आर.एस.) सेट्स को सभी जिलों में तालुका स्तर पर तथा डी.पी.ई.पी. - २ के जिलों बनासकांठा, पंचमहाल एवं डांग में क्लस्टर स्तर पर लगाया गया है । अब तक कुल ३८० डी.आर.एस. सेट्स को गुजरात में लगाया गया है । राज्य के सभी डायेटसको भी डी.आर.एस. सेट्स प्रदान किए गए हैं। इनको लगाने से एस.एस.ए. के तहत दूरस्थ शिक्षा के राज्य स्तर के विविध कार्यक्रमों को आयोजित करने में सुविधा हो गई है ।

३.२ टेलिकोन्फरन्स

टेलिकोन्फरन्सिंग बडी संख्या में लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए मूल्यात्मक रुप से एक असरदार माध्यम है । कास्केड मोड में देखी जानेवाली प्रसार क्षति प्रशिक्षण के इस प्रकार में नहीं होती । इसका उपयोग बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ऑर्डिनेटर्स, शिक्षकों तथा डायेट के लेक्चरर्स को विविध विषयों पर प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है । इसका प्रयोग वी.ई.सी. के सदस्यों को प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण में उनकी भूमिका के विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भी किया गया है । अप्रैल, २००६ से मार्च २००७ के दौरान गुजरात में निम्न-वर्णित टेलिकोन्फरन्सीस आयोजित की गईं ।

३.२.१ कन्या शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रमों के आयोजन पर टेलिकोन्फरन्स

११ मई, २००६ को भास्कराचार्य ईन्स्टीट्यूट ओफ स्पेस एप्लीकेशन एवं जिओ-ईन्फोर्मेटिक्स (बी.आई.एस.ए.जी.) के गांधीनगर स्थित स्टूडियो से सर्व शिक्षा अभियान में कन्या शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम एन.पी.ई.जी.ई.एल एवं के.जी.बी.वी के असरदार आयोजन एवं अमलीकरण के विषय पर राज्य स्तरीय टेलिकोन्फरन्स की गई । सुश्री. मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरने तजज्ञों की पेनल का नेतृत्व किया, जिसके अन्य सदस्य थे श्री हेमन्त शुक्ला, स्टेट को.ऑर्डिनेटर मिडिया, डोक्युमेन्टेशन और डिस्टन्स एज्युकेशन, सुश्री तृप्ति शेठ, स्टेट को.ऑर्डिनेटर, जेन्डर एज्युकेशन तथा सुश्री मोनिका शाह, डिस्ट्रीकट जेन्डर को.ऑर्डिनेटर ।

टेलिकोन्फरन्स में एक २३ - मिनट की फिल्म "भणती दीकरी ने कुल तारे" दिखाइ गई थी, जिसे अहमदाबाद दूरदर्शन केन्द्र ने भी एक बार प्रसारित किया था । उस फिल्म का केन्द्र बिंदु था ग्रामीण मानस में कन्या शिक्षा के महत्व के लिए जागृति पैदा करना । इस कार्यक्रम में चर्चा के पश्चात् प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तजज्ञों द्वारा डिस्ट्रीक्ट, ब्लोक एवं क्लस्टर को.ऑर्डिनेटर्स तथा वी.ई.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया गया ।

३.२.२ वैकल्पिक शिक्षा पर प्रथम टेलिकोन्फरन्स

२८ सप्टेम्बर, २००६ को वैकल्पिक शिक्षा के विषय पर प्रथम टेलिकोन्फरन्स आयोजित की गई । तजज्ञों की पेनल का नेतृत्व सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरने किया, जिस में अन्य सदस्य थे श्री हेमन्त शुक्ला, स्टेट को.ओर्डिनेटर, मिडिया, डोक्यूमेन्टेशन एवं डिस्टन्स एज्यूकेशन, डो. डी. आर. शर्मा, स्टेट को.ओर्डिनेटर प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट एवं रिसर्च - इवेल्यूएशन और श्री मयंक पटेल, डिस्ट्रीकट को.ओर्डिनेटर ।

डो. शर्माने वैकल्पिक शिक्षा की समस्याओं के विषय में चर्चा की । श्री मयंक पटेल ने इस विषय पर जिला स्तर के अपने अनुभवों की चर्चा की । कार्यक्रम के दौरान वैकल्पिक शिक्षा के विषय पर एक छोटीसी फिल्म भी दीखाई गई, जिसके बाद एक वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र के बच्चों द्वारा लोकनृत्य "सनेडो" पेश किया गया । इस कार्यक्रम में चर्चा के पश्चात् प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तजज्ञों द्वारा डिस्ट्रीक्ट, ब्लोक एवं क्लस्टर को.ओर्डिनेटर्स तथा वी.इ.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया गया ।

३.२.३ वैकल्पिक शिक्षा पर द्वितीय टेलिकोन्फरन्स

वैकल्पिक शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों के विषय पर द्वितीय टेलिकोन्फरन्स ११ डिसेम्बर, २००६ को आयोजित की गई । तजज्ञों का नेतृत्व सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने किया, जब कि पेनल के अन्य सदस्य थे डो. डी. आर. शर्मा, स्टेट को.ओर्डिनेटर, प्लानिंग - मेनेजमेन्ट एवं रिसर्च - इवेल्यूएशन, सुश्री जया शर्मा, सीआरसी को.ओर्डिनेटर एवं सुश्री गीता आचार्य, वीआरसी ।

डो. शर्मा ने वैकल्पिक शिक्षा के विभिन्न पहलूओं पर चर्चा की । सुश्री जया शर्माने सूरत म्युनिसिपल कोर्पोरेशन में अपने अनुभवों की चर्चा की तथा सुश्री गीता आचार्य ने वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र के एक वर्ग का निर्देशन पाठ दिया । इस कार्यक्रम में चर्चा के पश्चात् प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तजज्ञों द्वारा डिस्ट्रीक्ट, ब्लोक एवं क्लस्टर को.ओर्डिनेटर्स तथा वी.इ.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया गया ।

३.२.४ आई.ई.डी. पर टेलिकोन्फरन्स : दृष्टि की विकलांगतावाले बच्चों की शिक्षा

सर्व शिक्षा अभियान के इन्टीग्रेटेड एज्यूकेशन ओफ डिसेबल्ड चिल्ड्रन (आई.ई.डी) योजना में दृष्टि की विकलांगतावाले बच्चों को असरदार शिक्षा देने के विषय में एक टेलिकोन्फरन्स १९ डिसेम्बर, २००६ को की गई । उसके तजज्ञों की पेनल में थे सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, श्री राजेश मिस्त्री, स्टेट आई.ई.डी. को.ओर्डिनेटर, डो. भूषण पुनानी, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, अंधजन मंडळ, अहमदाबाद और श्री जे. वी. कवि, स्पेश्यल एज्यूकेशन ।

दृष्टि की विकलांगतावाले बच्चों की शिक्षा संबंधी समस्याओं पर डो. पुनानी ने प्रेझन्टेशन किया। श्री राजेश मिस्त्री ने सर्व शिक्षा अभियान में आई. ई. डी. के तहत किए गए प्रयासों का ब्यौरा दिया । श्री कवि ने अहमदाबाद कोर्पोरेशन में दृष्टि की विकलांगतावाले बच्चों को मुख्य प्रवाह में संमिलित करने के विषय में अनुभवों की चर्चा की । इस कार्यक्रम में चर्चा के पश्चात् प्रश्नोत्तरी के माध्यमसे तजज्ञों द्वारा डिस्ट्रीक्ट, ब्लोक एवं क्लस्टर को.ओर्डिनेटर्स तथा वी.इ.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया गया ।

३.२.५ आई.ई.डी. पर टेलिकोन्फरन्स : श्रवण की विकलांगतावाले बच्चों की शिक्षा

सर्व शिक्षा अभियानकी आई.ई.डी. योजना के तहत श्रवण की विकलांगतावाले बच्चों को असरदार शिक्षा देने के विषय में एक टेलिकोन्फरन्स २८ डिसेम्बर, २००६ को की गई । तजज्ञों की पेनल में सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, श्री राजेश

मिस्त्री, स्टेट को. ऑर्डिनेटर, आई.ई.डी., सुश्री चेतना कोठारी, एल. के. इन्स्टीट्युट ऑफ डेफ, भावनगर तथा सुश्री नंदा ठक्कर, मेनेजर, रत्नानिधि चेरीटेबल ट्रस्ट, मुंबई ।

सुश्री कोठारी ने श्रवण की विकलांगतावाले बच्चों की विशेष समस्याओं पर प्रेझन्टेशन किया । श्री राजेश मिस्त्री ने उस बच्चों के लिए किए गए प्रयासों की चर्चा की । सुश्री ठक्कर ने सर्व शिक्षा अभियान के सहयोग से रत्नानिधि चेरीटेबल ट्रस्ट, मुंबई द्वारा किए गए प्रयासों के अनुभवों के बारे में बताया । गांधीनगर के श्रवण विकलांगतावाले बच्चों के एक जुथ ने राजस्थानी समुहनृत्य पेश किया । इस कार्यक्रम में चर्चा के पश्चात् प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तजज्ञों द्वारा डिस्ट्रीक्ट, ब्लोक एवं क्लस्टर को.ऑर्डिनेटर्स तथा बी.इ.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया गया ।

३.२.६ वर्ष २००७-०८ के लिए एन्युअल वर्कप्लान और बजेट तैयारी पर टेलिकोन्फरन्स

२९ जान्युआरी, २००७ को वर्ष २००७-०८ के लिए एन्युअल वर्कप्लान और बजेट को जिला स्तर पर तैयार करने के विषय पर एक टेलिकोन्फरन्स आयोजित की गई । तजज्ञों की पेनल के नेतृत्व में थी सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जबकि अन्य सदस्य थे श्री हेमन्त शुक्ला, स्टेट को.ऑर्डिनेटर, मिडिया, डोक्युमेन्टेशन एवं डिस्टन्स एज्युकेशन, श्री ए. डी. पटेल, फायनान्स एडवाईझर और एकाउन्ट ऑफिसर, श्री दीपक चौहान, स्टेट को.ऑर्डिनेटर, एम. आई. एस. और श्री विवेक पटेल, असिस्टन्ट को.ऑर्डिनेटर, एम. आई. एस.।

श्री चौहान ने सर्व शिक्षा अभियान के लिए जिला स्तर पर वर्ष २००७-०८ के लिए एन्युअल वर्कप्लान एवं बजेट की तैयारी पर प्रेझन्टेशन किया । श्री विवेक पटेल ने विभिन्न घटकों की कीमत निश्चित करने एवं जिला स्तर पर आम तौर पर होनेवाली गलतियों की चर्चा की । इस कार्यक्रम में चर्चा के पश्चात् प्रश्नोत्तरी के माध्यमसे तजज्ञों द्वारा डिस्ट्रीक्ट, ब्लोक एवं क्लस्टर को.ऑर्डिनेटर्स तथा बी.इ.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया गया ।

३.२.७ आई.ई.डी. पर टेलिकोन्फरन्स : मंदबुद्धिवाले बच्चों की शिक्षा

सर्व शिक्षा अभियान की आई.ई.डी. योजना में मंदबुद्धिवाले बच्चों की शिक्षा के विषय में एक टेलिकोन्फरन्स २४ मार्च, २००७ को की गई । इस टेलिकोन्फरन्स में तजज्ञों की पेनल में सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टकर, सुश्री राजेश मिस्त्री, स्टेट आई.ई.डी. को.ऑर्डिनेटर, सुश्री मईदा वली उल्ला, वी. एम. इन्स्टीट्युट ऑफ ओक्युपेशनल हेल्थ, अहमदाबाद, सुश्री रेशमा शाह, आई.ई को.ऑर्डिनेटर, भावनगर और श्री प्रणव शाह, अंधजन मंडळ, अहमदाबाद ।

सुश्री सईदा वली उल्लाने मंदबुद्धि के बच्चों की शिक्षा की समस्याओं की चर्चा की । श्री राजेश मिस्त्री ने एस. एस. ए. की आई.ई.डी. योजना द्वारा मंदबुद्धि के बच्चों की शिक्षा के लिए किए गये प्रयासों की चर्चा की । सुश्री रेशमा शाह ने ईन बच्चों के संदर्भ में आई.ई.डी. के प्रभाव की चर्चा की । कार्यक्रम के दौरान रेझा नामक एक मंदबुद्धि बच्चें का इन्टर्व्यू भी लिया गया, जिसने आंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर चित्र-स्पर्धाओं में कइ इनाम जिते हैं । उसकी माता सुश्री सकीनी पंजनानी उसकी परवरिश एवं शिक्षा में उत्पन्न समस्याओं एवं उनके निराकरण पर चर्चा की । इस कार्यक्रम में चर्चा के पश्चात् प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तजज्ञों द्वारा डिस्ट्रीक्ट, ब्लोक एवं क्लस्टर को.ऑर्डिनेटर्स तथा बी.इ.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया गया ।

३.२.८ राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स : कन्या शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रमों की समीक्षा

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद ने कन्या शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रमों की समीक्षा पर आधारित राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स में भाग लिया, जो १५ डिसेम्बर,२००६ को आयोजित हुई थी ।

३.२.९ राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स : एडेप्ट्स

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद ने एडवान्समेन्ट ऑफ एज्यूकेशनल परफोर्मन्स थ्रू टीचर्स सपोर्ट (एडप्ट्स) के विषय पर १५ मार्च, २००७ को आयोजित राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स में भाग लिया था ।

३.३ स्टेट रीसोर्स ग्रूप की बैठक

डी.ई.पी. - एस.एस.ए., गुजरात के स्टेट रीसोर्स ग्रूप (एस.आर.जी.) की बैठक २१ अगस्त, २००६ को गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद के स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस के कोन्फरन्स होल में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरने की थी । श्री जे. वी. मित्तल, कन्सलटन्ट, डी.इ.पी. - एस.एस.ए. नइ दिल्ली ने भी इस महत्त्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया जिस में डीईपी- एसएसए की वर्ष २००५-०६ की प्रगति की समीक्षा तथा वर्ष २००६-०७ के एन्युअल वर्क प्लान और बजट की चर्चा की गई ।

३.४ वैकल्पिक शिक्षा एवं एनपीईजीईएल पर स्वअध्ययन सामग्री

वैकल्पिक शिक्षा एवं एनपीईजीईएल पर अलग-अलग स्वअध्ययन सामग्री को विकसित किया गया सभी बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. तक वितरित किया गया ।

३.५ आईईडी विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण के लिये सोफ्टवेर

सर्व शिक्षा अभियान के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत गुजरात द्वारा मुख्य प्रवाह की स्कूलों में विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों को सीखाने के लिये शिक्षकों की अध्यापनविद्याकीय जरुरतों की आपूर्ति करने का प्रयास हो रहा है जिसके लिये ब्रेल लिपी की शिक्षा के लिये ३० मिनट की एक ऑडियो सीडी तथा श्रवण एवं दृष्टि की विकलांगता तथा मंदबुद्धि के बच्चों की शिक्षा के लिये ३० मिनट की ३ विडीयो सीडी को ब्लाईन्ड पीपल्स एसोसीयेशन (बीपीए), अहमदाबाद द्वारा निर्मित किया गया । इस मल्टी मीडिया पेकेज को सभी बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डीनेटर्स तक वितरित किया गया ।

प्रकरण : ४

समुदायों का अभिप्रेरण

४.० सामुदायिक अभिप्रेरण

सामुदायिक सहभागिता खडी करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान, एनपीईजीईएल एवं केजीबीवी के तहत राज्य में प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण के क्रिया-कलापों में सक्रिय जनसहभागीता उत्पन्न करना एक प्रमुख रणनीति रही है । गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद ने सफलतापूर्वक कई सहभागितापूर्ण कार्यरचनाएँ क्रियान्वित की है ।

४.१ अभिप्रेरण मुहिम

सामुदायिक जागृति और वातावरण निर्मित करने हेतु स्थानिक स्तर पर मुहिम की पद्धति का उपयोग किया गया । मई-जून, २००६ के दौरान, प्रिन्ट एवं दृश्य-श्राव्य माध्यमों के साथ-साथ स्थानिक स्तर पर सांस्कृतिक तौर पे योग्य माध्यमों का बालमहोत्सवों, प्रभात-जुलूस, मशाल-यात्राओं के लिये लगातार उपयोग किया गया ।

पिछले वर्ष के दौरान सामुदायिक अभिप्रेरण के लिए मुख्यतः निम्न दर्शित कार्यक्रम किए गये :

- सांस्कृतिक प्रतिभा खोज प्रवृत्तिओं का आयोजन ।
- विचारवस्तुलक्षी नाटिकाएँ और लोकनाट्य स्वरुपों का उपयोग, जैसे कि भवाई, कठपूतळी, सनेडो और तमाशा ।
- स्थानिक लोकमेलों में स्टॉल खडे किए गए ।
- स्थानिक समुदायों के लिए टी.एल.एम. प्रदर्शनियों का आयोजन ।
- आदिजाति विस्तारों में लडकियों के नामांकन हेतु विशेष मुहिमें की गईं ।
- कन्या-शिक्षा के लिए माँ-बेटी संम्मेलन आयोजित किए गए ।

४.२ सामुदायिक नेताओं के लिए प्रशिक्षण

सर्व शिक्षा अभियान के तहत क्लस्टर स्तर पर सामुदायिक नेताओं के लिये बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स के सहयोग से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । ईसके लिये प्रत्येक रेवेन्यु गाँव के वी.ई.सी., एम.टी.ए तथा पी.टी.ए. के सदस्यों में से चुने गये ८ सामुदायिक नेताओं की पहेचान की गई तथा ग्राम स्तर पे प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की तालीम दी गई ।

सामुदायिक नेताओं को परियोजना के अमलीकरण मे मुख्य भूमिका अदा करने के लिये संवेदित किया गया । इन्हें विद्यालय अनुदान, शिक्षक अनुदान, विद्यालय मरम्मत तथा निभाव अनुदान के उपयोग के बारे में ज्ञान दिया गया । प्रशिक्षण, अभिसंस्करण, कार्यशिविर और अनुभवों को बाँटने की प्रवृत्तियों द्वारा क्षमता निर्माण अभिप्रेरण रणनीति का प्रमुख घटक रहा है । स्कुल - समुदाय के बीच संकलन बनाने, वी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए.को कौशल्य प्रदान करने और उसे मजबूत बनाने के लिए उन्हें नियमित और आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण दिया गया । वी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के अभिसंस्करण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई । वी.ई.सी. को कास्केड मोड में प्रशिक्षण दिया गया, जब कि बी.आर.सी और सी.आर.सी. संकलनकारों का प्रमुख प्रशिक्षकों के रूप में अभिसंस्करण किया गया । वी.ई.सी.,एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के बीच लगातार बैठकें होती रहीं।

४.३ कन्या केळवणी रथयात्रा : प्रवेशोत्सव २००६

सार्वत्रिक एवं स्वयंस्फुरित जनसहभागीता से शाला प्रवेशोत्सव - २००६ की जनता का ही एक कार्यक्रम बन गया । मान. मुख्यमंत्रीश्री के नेतृत्व एवं मान. शिक्षा मंत्रीश्री की सीधी निगरानी में राज्यव्यापी प्रवेशोत्सव के प्रमुख घटक के रुप में १६, १७ और

१८ जून २००६ को आयोजित कन्या केळवणी रथयात्रा को समग्र गुजरात में प्रचंड सफलता प्राप्त हुई ।

कार्यक्रम की ज्वलंत सफलता का अंदाजा ईस बात से लगाया जा सकता है कि प्रवेशोत्सव के ईन तीन दिनों के दौरान १८,११३ गाँवों के २३,९२३ स्कूलों में कुल ६,५३,२४९ बच्चों का कक्षा - १ में नामांकन हुआ जिसमें ३,१०,८७४ लडकियाँ तथा ३,४२,३७५ लडके थे । ईन तीन दिनों के दौरान स्थानिक समुदायों द्वारा स्कूलों को कुल रु. ४,६३,५१,०६९ के मुल्य का रोकड एवं वस्तुस्वरुप दान प्राप्त हुआ । अहेवालों के मुताबिक स्कूल छोड चुके कुल ३१,०३३ बच्चों का पुनःनामांकन भी किया गया ।

प्रवेशोत्सव को सफलता सुनिश्चित करने के लिए विषेश आयोजन किए गए थे । युनिसेफ के सहयोग से ३० सेकण्ड के ८ टी.वी. स्पोट्स का निर्माण किया गया था जिन्हे जून-जूलाई २००६ के दौरान स्कूलों में सार्वत्रीक नामांकन के महत्त्वके बारे में जनजागृति पैदा करने के उद्देश्य से प्रसारित किया गया था । जनता पर महत्तम प्रभाव हो इस हेतु से मान. मुख्यमंत्रीश्री एवं मान. शिक्षा मंत्रीश्री के जन-संदेशों को १४ और १५ जून, २००६ को प्रसारित किया गया । सभी केबीनेट मंत्रीश्रियों, मुख्य सचिव एवं आई.पी.एस., आई.ए.एस., आई.एफ.एस., सचिवालय केडर तथा शिक्षा विभाग के सभी श्रेयान अधिकारियों के नेतृत्व में अल्प महिला साक्षरतावाले गाँवों में कन्या केळवणी रथयात्रा निकाली गई । पूर्व निर्धारित रणनीति के अनुसार प्रत्येक मंत्रीश्री तथा अधिकारी ने प्रति दिन ५ गाँवों की मुलाकात ली ताकि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कम से कम १५ ऐसे गाँवों की मुलाकात ली जा सके जहाँ कन्याओं का १०० प्रतिशत नामांकन सिद्ध करने तथा महिला साक्षरता बढाने के लिये विशेष प्रयास करने की सख्त जरुरत है ।

नामांकन झूंबेश को स्कूलों में आनंद-उल्लास के वातावरण में मनाया गया । नामांकन के लिये माता-पिता के साथ आये हुए तथा प्रसंग के अनुरुप सजे बच्चों का स्वागत स्कूलों में शिक्ष कों, बच्चों तथा वीईसी, एमटीए, पीटीए सदस्यों द्वारा किया गया । नवनामांकित बच्चों को तिलक किया गया तथा कागज की रंग-बिरंगी टोपियाँ पहेनाई गई । उन्हें मिठाइयाँ भी बांटी गई । उन्हें ईस बात का अहेसास कराया गया कि स्कूल एक मजेदार और आनंददायक जगह है ।

ग्राम शिक्षा समिति, एमटीए, पीटीए तथा स्व-सहाय जूथों द्वारा घनिष्ठ सहभागीता के अहेवाल राज्यभर से प्राप्त हुए । हर स्कूल में मान. शिक्षा मंत्री द्वारा प्रेषित संदेश का पठन किया गया तथा वीईसी, एमटीए, पीटीए के सदस्यों द्वारा प्रतिज्ञापत्र पर हस्ताक्षर किये गये, जिस में यह संकल्प दर्शाया गया था कि स्कूलों में बच्चों के, विशेषतः कन्याओं के १०० प्रतिशत नामांकन एवं स्थायीकरण के लिये वे संपूर्ण प्रयास करेंगे ।

दाताओं द्वारा नव नामांकित बच्चों को बस्ते, स्लेट, पेन, पेन्सिल, पाठ्यपुस्तक, नोटबुक्स तथा गणवेश का दान किया गया । अल्प महिला साक्षरतावाले गाँवों में विद्या लक्ष्मी योजना के तहत नव नामांकित कन्याओं को रु. १००० के नमूना बोन्ड दिये गये । ईस उपलक्ष्य में राज्य के सभी स्कूलों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगोंने बडी संख्या में भाग लिया ।

४.४ मिडिया की हिमायत

गुजरात में एसएसए के तहत प्राथमिक शिक्षा, खास करके लडकियों की शिक्षा की हिमायत, मिडिया और प्रत्यायन का केन्द्र रूप विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मिडिया संदेश, मिडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिझाईन की गई मिडिया मिक्स व्यूहनीति का उपयोग किया गया है । इसकी वजह से आधार स्तर पर समुदाय के द्वारा डीपीईपी और एसएसए ने बहुत अच्छी नामना पाई है । इसके अलावा डीपीईपी और एसएसए ने परियोजना के सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्त्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया है ।

४.५ स्थानिक नेताओं का प्रशिक्षण

सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत बीआरसी और सीआरसी कोओर्डिनेटर्स की तज्ज्ञता में समुदायिक नेताओं को ग्राम्य स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया । ईसके लिये ग्राम्य स्तर पर ८ सामुदायिक नेताओं का चयन किया गया, जिन्हें प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण

के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की तालीम दी गई ।

सामुदायिक नेताओं को परियोजना अमलीकरण में उनकी भूमिका के प्रति संवेदित किया गया । उन्हे स्कूल ग्रान्ट, टीचर ग्रान्ट, स्कूल रीपेर एन्ड मेईन्टेनन्स ग्रान्ट के उपयोग के लिए नवसंस्करित किया गया । प्रशिक्षण, नवसंस्करण, कार्यशिविर एवं अनुभवों के आदान-प्रदान के जरिये क्षमता निर्माण जनसहयोग के लिए अपनाई गई रणनीति का प्रमुख घटक है । स्कूल और समुदायों के बीच गठबंधन स्थापित करने के लिए वीईसी, एमटीए तथा पीटीए के कौशल्य को विकसित करने के लिए नियमित एवं आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण दिया गया । वीईसी, एमटीए तथा पीटीए की तालीम के लिए विशेष सामग्री तैयार की गई । कास्केड मोडल के जरिये वीईसी को तालीम दी गई जिस में बी.आर.सी. और सी.आर.सी. कोऑर्डीनेटर्स ने मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका अदा की । वीईसी, एमटीए तथा पीटीए की बैठकें नियमित रुप से आयोजित की गई ।

४.६ सामुदायिक ढाँचों की रचना

सर्व शिक्षा अभियान के सुचारु अमलीकरण के लिए गुजरात में विलेज अेज्युकेशन कमिटि (वीईसी), विलेज सीवील वर्कस कमिटि (वीसीडबल्युसी), मधर टीचर एसोसीअेशन (एमटीए), पेरेन्ट टीचर एसोसीअेशन (पीटीए) जैसे सामुदायिक ढांचों की रचना राज्य के सभी गाँवों में की गई है ।

सभी गाँवों में पेरेन्ट काउन्सिल गठित की गई है जिनके सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया है । अब वे माता-पिता एवं समुदायों के रुख में बदलाव लाने की दिशा में सक्रिय रुप से भाग ले रहे हैं जिससे विभिन्न विकलांगताओं के बारे में उनमें जागृति लाई जा सके । अब तक सामने आए परिणामों के अनुसार, उन्हों ने विकलांग बच्चों के संकलित शिक्षण के प्रति उनके माता-पिता की सोच को असरदार तरीके से बदला है ।

हर गाँव में वीईसी, एमटीए तथा पीटीए द्वारा प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण के लिए स्थानिक रुप से हर संभव प्रयास किया जा रहा है । नियमित बैठकों द्वारा गाँवकी प्राथमिक शिक्षा संम्बन्धित समस्याओंका निराकरण किया जाता है । स्कूलों तथा वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों के व्यवस्थापन में वीईसी, एमटीए तथा पीटीए के सदस्य सक्रिय भाग ले रहे है । राज्य में वीईसी, एमटीए तथा पीटीए की रचना की स्थिति ईस प्रकार है :

गुजरात में रचित वीईसी और डबल्युईसी की संख्या :

क्रम	जिला	वीईसी की संख्या	एम.टी.ए की संख्या	पी.टी.ए की संख्या
१	अहमदाबाद	८२४	८९५	८९५
२	अमरेली	७७३	७७३	७७३
३	आणंद	१०५१	१०५१	१०५१
४	बनासकांठा	८२७	२०९४	२०९४
५	भरुच	९२६	९२६	९२६
६	भावनगर	८९४	११२८	११२८
७	दाहोद	६७१	१५२७	१५२७
८	डांग	३११	४१०	४१०
९	गांधीनगर	५६३	६४०	६४०
१०	जामनगर	११६३	१३१७	१३१७

क्रम	जिला	वीईसी की संख्या	एम.टी.ए की संख्या	पी.टी.ए की संख्या
११	जूनागढ	९१३	११३२	११३२
१२	खेडा	१६७४	१६७४	१६७४
१३	कच्छ	१२८६	१४७०	१४७०
१४	महेसाणा	९२१	९२१	९२१
१५	नर्मदा	६८०	६८०	६८०
१६	नवसारी	६२३	७४७	७४७
१७	पंचमहाल	११७४	२२६२	२२६२
१८	पाटण	७२४	८०१	८०१
१९	पोरबंदर	१५६	२९९	२९९
२०	राजकोट	१०९८	१२८३	१२८३
२१	साबरकांठा	७१६	२४३०	२४३०
२२	सुरत	१६९८	१८२६	१८२६
२३	सुरेन्द्रनगर	६९२	९४०	९४०
२४	वडोदरा	१५७६	२२४८	२२४८
२५	वलसाड	९७२	९७२	९७२
	कुल	२२९०६	३०४४६	३०४४६
२७	वडोदरा कोर्पो.	१६	२२५	२२५
२८	राजकोट कोर्पो.	२३	९९	९९
२९	सुरत कोर्पो.	३३	२७६	२७६
	कुल	११५	११३२	११३२
	कुल	२३०२१	३१५७८	३१५७८

४.६ समुदायों का योगदान

इस वर्ष नामांकन झुंबिश के दौरान परियोजना जिलों के गाँवों से स्थानिय समुदायों द्वारा बडी धनराशि तथा वस्तुओं का अनुदान प्राप्त किया गया । वी.आर.सी., अतिरिक्त वर्गखण्डों और प्राथमिक शालाओं के निर्माण हेतु गाँववालों ने जमीन के बडे प्लोट भी दान में दिए । नकद एवं जमीन के दान के अलावा स्थानिय लोगों ने पेन, पेन्सिलें, स्लेटें, नोट- बुक्स, नक्शों, चार्टों वगैरह की भी भेंट-सौगाद देकर अपना योगदान दिया । डांग जिले में लोगों का योगदान मुख्यतः देशी हिसाब, पेन, पेन्सिलों जैसी वस्तुओं का रहा ।

सामुदायिक ढाँचों के सशक्तिकरण से सही मायनों में कार्यक्रम का विकेन्द्रीकरण हो पाया है। यह पता चलता है कि वी.ई.सी., एम.टी.ए / पी.टी.ए. और पेरेन्ट काउन्सिलों को विविध विद्यालयों के व्यवस्थापन प्रवृत्ति में सक्रियता से शामिल किया गया है । परियोजना के जिलों में ग्रामवासीयों का बडे पैमाने का योगदान यह दर्शाता है कि स्थानिय समुदायों में स्वामित्व की भावना पैदा करने में बडी सफलता हांसिल हुई है ।

प्रकरण : ५

कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान

५.० लडकियोंकी शिक्षा

एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डी.पी.ई.पी. के उद्देश्यों में शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानताओं को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है । नामांकन के निम्न स्तर, लडकियों के स्थायीकरण और उपलब्धियों में, खास कर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछडे हुए संवर्ग के स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाता है । लडकियों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उनके नामांकन एवं स्थायीकरण को बढाने के लिए गुजरात में विशिष्ठ व्युहों को अपनाया गया है । लैंगिक रूप से संवेदनशील अभ्यासक्रम और पाठ्य पुस्तकों का विकास किया गया है । सारे नये विद्यालय भवनों में लडकियों के लिए अलग शौचालयों की सुविधा दी गई है । विद्यालय में लडकियों की उपस्थिति को बढावा देने के हेतु से ई.सी.सी.ई. - ए.एस. केन्द्र भी खोले गए हैं ।

राज्य संसाधन गुटों एवं जिला संसाधन गुटों को स्थानिय विशिष्ठ जरूरतों के आधार पर कन्या शिक्षा व्यूह बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई । जनजागरण सामग्री जैसे कि पोस्टर्स, हस्तपुस्तिका और ब्रोशर्स तैयार किए गए । लैंगिक प्रशिक्षण मोडयुल्स को विशेष रूप से शिक्षकों, प्रमुख प्रशिक्षकों और बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ऑर्डिनेटर्स के लिए तैयार किया गया ।

कार्यक्रम में समुदायों को, विशेषत: महिलाओं को सत्ताशील बनाने पर ज्यादा महत्त्व दिया गया है । कार्यक्रम के हर पहलु पर उनकी निर्णायक भूमिका के निभाने पर ज्यादा जोर दिया गया है । इस दिशा में, ग्राम्य स्तर की स्थानिय ईकाइयों, जैसे कि वी.ई.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए को उनके अपने क्षेत्र में लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी निभा पाने के लिए समर्थ बनाया गया । महिला समूहों, महिला समुदायों और पंचायत के सदस्यों जैसे समुदायों को लडकियों की शिक्षा के मद्देनजर सघन तालीम दी गई । इसके साथ साथ, समुदायों और महिला संगठनों को अभिप्रेरण और विद्यालय व्यवस्थापन और नामांकन के नियंत्रण तथा प्रतिधारण एवं लडकियों पर विशेषत: ध्यान देते हुए उपलब्धि के स्तर में पिरोया गया ।

५.१ प्राथमिक शिक्षा में लैंगिक असमानताओं को कम करना

गुजरात में यह माना गया है कि महिलाओं को सामर्थ्यवान बनाने का सही तरीका उन्हें शिक्षा प्रदान करना है । माताओं को सबसे पहले शिक्षित करना होगा और उन्हें अपनी लडकियों को शिक्षित कराने के महत्त्व के बारे में जागृत कराना होगा । शिक्षा के व्याप में प्रवर्तमान लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को कम करने पर भार देते हुए, गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए एस.एस.ए., एन.पी.इ.जी.इ.एल. तथा के.जी.बी.वी. के तहत बहुविध व्यवधानों की आजमाईश की जा रही है। लोगों में, खास कर महिलाओं में अपने बच्चों को पाठशाला भेजने का उत्साह संचालित हो, इस हेतु द्रढ निश्चयपूर्वक कोशिशें की जा रही है । प्राथमिक शिक्षा में माँग की बढोतरी के लिए इसे जरूरी माना गया है । विद्यालयों द्वारा समुदायों और शाला के संबधो की सुदृढता के बारे में ग्राम्य समुदायों, खास तौर पर महिलाओं की ग्रंथित मान्यताओं को बदलने का व्यूह है ।

जागृति अभियान के लिए अल्प महिला साक्षरतावाले ब्लोक एवं क्लस्टर का चयन किया गया । सभी जिलों में महिला जागृति संमेलन आयोजित किए गए। अभिप्रेरण के लिए रेलियों, प्रभात फेरियों और तमाशा पार्टीओं का भी उपयोग किया गया ।

एम.टी.ए. सदस्यों और महिला समूहों की स्व-जागृति के लिए और लडकियों की शिक्षा में उनकी भूमिका के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए गुजराती में हस्तपुस्तिका और पोस्टर्स विकसित किया गया तथा सभी स्कूलों में वितरित किया गया । एम.टी.ए. के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए बनाई गई हस्तपुस्तिका में कुछ खास विषयों को शामिल किया गया है, जैसे कि लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ठ योजनाओं के बारे में जानकारी (इसीसीइ.-ए.एस.), एम.टी.ए की संरचना के लिए मार्गदर्शन, एम.टी.ए बैठकों की सारणी और बैठकों का एजन्डा, एम.टी.ए. की भूमिका और कार्य, एम.टी.ए. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सारणी और लैंगिक संवेदीकरण के लिए करने योग्य कार्यों की सूचि ।

वर्गखंडों की आंतरक्रिया और प्रक्रियाओं में समान अवसर उपलब्ध कराने के हेतु शिक्षकों के लिए गुजराती में एक प्रशिक्षण मोडयुल विकसित किया गया और परियोजना के जिलों की सभी पाठशालाओं में इसे वितरित किया गया ।

५.२ नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट ओलीमेन्टरी लेवल

सर्व शिक्षा अभियान में कन्या शिक्षा के घटक को सशक्त बनाने के हेतु से नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट ओलीमेन्टरी लेवल (एन.पी.ई.जी.ई.एल) अर्थात् प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर कन्या शिक्षा के राष्ट्रीय कार्यक्रम का अमलीकरण गुजरात में हो रहा है ।

एन.पी.ई.जी.ई.एल. के धोरणों के अनुसार, इसे गुजरात के २१ जिलों (वलसाड, पोरबंदर, डांग और भरूच को छोडकर) के शैक्षिक रूप से पिछडे हुए उन ९१ तालुकों (७८ तालुकों और १३ शहरी झोंपडपट्टियों) के ११४१ क्लस्टर्स में अमली किया गया है, जहाँ पर राष्ट्रीय औसत की तुलना में, महिला साक्षरता कम है तथा साक्षरता का लैंगिक भेद अधिक है । वर्ष २००६-०७ के दौरान इस योजना का लाभ ११,४२,९७८ कन्याओं को प्राप्त हुआ ।

इस कार्यक्रम के तहत हर तालुके में एक स्कुल को मोडल क्लस्टर स्कुल के तौर पर विकसित किया गया है जो कि उस विस्तार में कन्या शिक्षा के विविध कार्यक्रमों का केन्द्रबिंदु है । इसके तहत अतिरिक्त लाभ भी दिये जा रहे है जैसे कि स्कुलों, शिक्षकों को पारितोषिक, सिखने-सिखाने के लिए शैक्षिक साधन-सामग्री, शौच-सुविधाएं, विद्युतकरण, पेयजल सुविधा तथा शिक्षकों एवं स्थानिक समुदायों के लिए प्रशिक्षण समर्थन तथा संवेदीकरण कार्यक्रम ।

- सप्टेम्बर, २००६ के दौरान अहमदाबाद, गांधीनगर और वडोदरा जिलों के कुल ९० मास्टर ट्रेनर्स को तरुण शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया । इनमें से प्रत्येक मास्टर ट्रेनर ने अपने अपने क्लस्टर की ५ स्कूलों के ५ शिक्षकों को भी तालीम दी । इन तीन जिलों के ९० क्लस्टर्स में बच्चों के माता - पिता के लिए एक संमेलन आयोजित किया गया ।
- ओगष्ट और सप्टेम्बर २००६ के दौरान पायलट के तौर पर एक ३ - दिवसीय रिहायशी तालीम अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर और दाहोद जिलों के ९२ स्कूलों की कक्षा १ और २ के शिक्षकों को लैंगिक दृष्टिकोण से उचित तरीके से गणित और भाषा के शिक्षणका प्रशिक्षण दिया गया ।
- सप्टेम्बर २००६ में २३२ स्कूलों के २३२ शिक्षकों को मीना मंच और मीना केबिनेट की तालीम दी गई ।
- सप्टेम्बर २००६ में डिस्ट्रीक्ट जेन्डर को.ओर्डिनेटर्स तथा चुने गए बीआरसी और सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स के लिए ३ - दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिस में कन्या शिक्षा के प्रोत्साहन के विषय में की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई ।
- सप्टेम्बर २००६ के दौरान १५ केजीबीवी से संबंधित बीआरसी एवं सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स के लिए एक राज्य स्तर की बैठक आयोजित की गई ।
- महिला प्रेरक जुथों के सदस्यों के लिए एक दिवसीय कैम्प आयोजित हुए जिन में कन्या शिक्षा को बढावा देने के हेतु से विभिन्न प्रवृत्तियों आयोजित की गई, जैसे कि कथा-पठन, चित्र-स्पर्धा, फिल्म "बीकनुं पोटलुं" का शो, स्कुल प्रवास और खेल-कूद प्रतियोगिताएं ।
- कक्षा ५, ६ और ७ की कन्याओं के लिए क्लस्टर स्तर पे लाठी - लेजिम की तालीम आयोजित की गई, जिस दौरान उन्हे जीवन कौशल्य के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया गया ।
- जान्युआरी से मार्च,२००७ के दौरान "समता" नामक एक नये प्रयास के जरिए कक्षा २, ३ और ४ की कन्याओं की गणित और गुजराती की शिक्षण क्षमता को सुधारने के लिए अतिरिक्त अध्यापन की व्यवस्था की गई । इस हेतु विशेषरुप से बनाये गए मोडयूल के उपयोग से प्रत्येक क्लस्टर के ५ स्कूलों में बालमित्रों के द्वारा अतिरिक्त तास लिए गए ।

५.३ लडकियों के लिए इ.सी.सी.इ केन्द्र

पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक शिक्षा को जोडने के हेतू ई.सी.सी.ई. केन्द्र उन बस्तियों में खोले जा रहे है जहाँ इनकी सुविधा नहीं है । वर्ष के दौरान कुल ५१९५ ई.सी.सी.ई केन्द्र गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद द्वारा एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डीपीईपी के तहत खोले जा चूके है, जिनमें सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत ३७२३ एवं एनपीईजीईएलमें १४७२ केन्द्र शामिल है, जिनमें कुल १२३६७१ बच्चें नामांकित हुए ।

५.४ माँ-बेटी संमेलन

एस.एस.ए तथा एन.पी.ई.जी.ई.एल के तहत अल्प महिला साक्षरता वाले गावों में साक्षरता बढाने के लिए माँ-बेटी संमेलन आयोजित किये गए । वर्ष २००६-०७ में लभगभ १००० माँ-बेटी संमेलन आयोजित किये गये, जिनमें बी.ई.सी., एम.टी.ए तथा पी.टी.ए के सदस्यों ने कन्या शिक्षा की समस्याओं को सुलझाने के विषय पर संवेदित किया गया । गुजरात के ग्रामिण विस्तारों में शिक्षा के क्षेत्र में पाये जाने वाले लैंगिक फर्क मिटाने के लिये मनोरंजक भवाई, डायरो एवं तमाशा जैसे शिक्षादायी मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

५.५ आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष कार्यक्रम

एस.एस.ए, एन.पी.ई.जी.ई.एल तथा डी.पी.ई.पी. के तहत ८ मार्च २००७ आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिये राज्य, जिला, तालुका तथा क्लस्टर स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये । राज्यभर में कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिय जुलूस, झाँकियां, प्रदर्शनियाँ, प्रांतयोगिताएं तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

५.६ कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (के.जी.बी.वी)

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडी जातियों तथा लघुमति की कठिन विस्तारों मे रहनेवाली तथा प्राथमिक शिक्षा नियमित रुपसे नहीं पा सकनेवाली कन्याओं के लिये कक्षा १ से ७ तक की रिहायशी सुविधा वाले स्कूल खोले जा रहे है । भारत सरकार द्वारा गुजरात के १८ जिलो में ४४ कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय खोलने की मंजुरी दी गई है जिनमें १८ टाईप-ए स्कूल (११५० कन्याएं नामांकित) और १२ टाईप - बी (५०२ कन्याएं नामांकित) और टाईप सी (५७५ कन्याएं नामांकित) स्कूल हैं । इन सभी के.जी.बी.वी. में कुल २२२७ कन्याएं नामांकित हैं ।

इस वर्ष के दौरान गुजरात में कन्या शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए के.जी.बी.वी. के तहत निम्नदर्शित प्रवृत्तियां की गई :

- सभी के.जी.बी.वी को खेलकूद उपलब्ध, साईकिलों, केरम बोर्ड, बेडमिन्टन रेकेट, शटल कोक, रिंग, संगीत के साधन (हारमोनियम, तबला, मंजीरे) वोलीबोल, फूटबोल, कपडें सीने की मशीन और पुस्तकें इत्यादि दिये गए ।
- के.जी.बी.वी. की कन्याओं के लिए शैक्षिक प्रवास आयोजित हुए ।
- कन्याओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण के दौरान नहाने और कपडें धोने के साबुन, मोमबत्तियाँ, बेंतकाम, बाम, बुनकारी, मिट्टीकार्य, सीने का कार्य, खिलोने बनाने जैसे कार्यों की तालीम दी गई ।
- कन्याओं को साईकिल चलाना तथा लाठी - लेजिम के उपयोग द्वारा स्वरक्षण का प्रशिक्षण दिया गया ।
- रेल्वे स्टेश, पोस्ट ऑफिस, बस-स्टेशन, पोलीस - स्टेशन जैसे स्थानों पर कन्याओं को शैक्षिक तौर पर ले जाया गया ।
- बालसखियों को शिक्षण की गुणवत्ता के विषय में विशेष तालीम दी गई ।
- क्लास ऑब्झर्वेशन टूल्स (सी.ओ.टी) अर्थात वर्ग अवलोकन साधनों को के.जी.बी.वी. के मोनीटरींग और सुपरविझन के लिए खास तौर पर विकसित किया गया ।

प्रकरण : ६

विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का

६.० वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली

विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक कारणोंवश गुजरात में कई बच्चे औपचारिक स्कूलों में नहीं जा पाते । इसीलिए, एसएसए में छुट-पुट एवं दूरदराज की बस्तिओं में रहनेवाले पिछडे वर्गो के बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा का लाभ पहुँचाने के हेतु से वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र शुरु किये गए है । इनका उद्देश्य यह है कि जो बच्चे कभी नामांकित नहि हुए तथा जो बीच में से ही अध्ययन छोड चुके है, उन्हें इस स्तर तक शिक्षा दी जाए कि वे औपचारिक प्राथमिक विद्यालय में फिरसे शामिल हो सकें। शिक्षा को बीच में ही छोड चुके बच्चों की समस्याओं को ठीक तरह से समझाने के नम प्रयासों के दौरान सफलतम् अनुभवों से कुछ सीखने के साथ वैकल्पिक शिक्षा प्रणालि के लिए उचित मोडलों का विकास करने का भी प्रयास किया गया है ।

डीपीईपी के तहत विकसित किये गये वैकल्पिक शिक्षा के कार्यक्रमों को सर्व शिक्षा अभियानमें अमली किया जा रहा है ।

६.१ वैकल्पिक शिक्षा के लिये मोडल्स :

परियोजना में शामिल जिलों के शाला छोड चुके बच्चों को शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए, कुछ वैकल्पिक शिक्षा (ओल्टरनेटीव स्कूलींग) मोडेलों को विकसित किया गया है, जो इस प्रकार हैं :

बेक-टू-स्कूल

- ए.एस. केन्द्र
- वैकल्पिक विद्यालय
- शिक्षा केम्प
- पहचान पत्र
- सोल्ट पान (विद्यालय)

ब्रिज कोर्स

- आश्रम शालाओ में अतिरिक्त सीटे
- समुदायो के लिए छात्रावास
- फार्म विद्यालय
- टेन्ट (तंबु) विद्यालय
- रात्रि वर्ग
- मोबाइल विद्यालय

वेकेशन कोर्स

- प्रमोशन कोर्स
- मीडटर्म कोर्स

६.२ गैर सरकारी संस्थानों के साथ सहयोग

गुजरात एस. एस. ए. मिशन ने ग्रामीण और शहरी विस्तारों में स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों की शिक्षा संबंधित समस्याओं का समाधान करने के क्षेत्र में अनुभव एवं महारथ प्राप्त प्रतिष्ठित गैरसरकारी संस्थानों के साथ गठबंधन स्थापित किया है । ओल्टरनेटिव एन्ड इनोवेटिव एज्युकेशन स्कीम (ए. आइ. इ. एस) के अमलीकरण के लिए निम्नदर्शित गैर सरकारी संस्थानों के साथ उनकी स्थानिक मौजूदगी और संदर्भित ज्ञान का लाभ उठाने के उद्देश्य से गठबंधन जोडा गया है :

क्रम	गैर सरकारी संस्था	तालुका	जिला
१.	ज्ञानशाला	अहमदाबाद कोर्पोरेशन क्षेत्र	अहमदाबाद
२.	प्रथम	भूज, भचाउ, रापर, अंजार	कच्छ
३.	श्री करणी एज्युकेशन ट्रस्ट	कांकरेज	बनासकांठा
४.	श्री लेउवा जूथ केळवणी ग्राम विकास उत्तेजक मंडल	वागदोड	पाटण
५.	विकास भारती चेरिटेबल ट्रस्ट	हारिज	पाटण

क्रम	गैर सरकारी संस्था	तालुका	जिला
६.	परख ट्रस्ट	खेडब्रह्मा	साबरकांठा
७.	श्रमिक विकास संस्थान	कवांट, नसवाडी	वडोदरा
८.	परिवर्तन ट्रस्ट	लिंबडी	सुरेन्द्रनगर
९.	श्री ग्रामोद्योग सेवा ट्रस्ट	चूडा	सुरेन्द्रनगर
१०.	सेतु	तलाला, कोडीनार, सूत्रापाडा	जूनागढ

६.३ बेक-टू-स्कूल प्रोग्राम

वर्ष २००६-०७ के दौरान लक्षित २,८८,८५० स्कूल के बाहर रहनेवाले बच्चों पैकी कुल १,९५,१७८ बच्चों का गुजरात के वैकल्पिक शिक्षा कार्यक्रम के बेक-टू-स्कूल प्रोग्राम के अंतर्गत समा लिया गया, जिनमें शामिल हैं एस. एस. ए के ३,७४३ ए.एस केन्द्रों में नामांकित ७८,२७७ बच्चें और २७१३ एज्युकेशन कैम्प में नामांकित १३,३५४ बच्चें, गैर सरकारी संस्थानों द्वारा चलाए जाते ५५० ए. एस. केन्द्रों के १३,१६६ बच्चें स्कूलों में कक्षा १ में नव नामांकित ५४,०४२ बच्चें तथा २९,२२० पुन : नामांकित बच्चें, ३५ रिहायशी स्कूलों में नामांकित १,६६३ बच्चें, सिझनल होस्टेल और सपोर्ट स्कूलों में नामांकित १,४६१ बच्चें, ३५ लेबर वाइल्ड स्कूलों में नामांकित १७५० बच्चें तथा ४४ के.जी.बी.वी में नामांकित २०२२ बच्चें । गुजरात में समग्रतया ६१६७ ए. एस. केन्द्रों में कुल १,२८,६२७ बच्चों को समाविष्ट किया गया । इस योजना के तहत समाविष्ट बच्चों के नामांकन की ३१/३/२००७ की स्थिति इस प्रकार है :

क्रम	प्रवृत्ति	केम्प/ केन्द्र की संख्या	नामांकित बच्चों की संख्या		
			कुमार	कन्या	कुल
१.	ए.एस. सेन्टर	३७४३	३७७१३	४०५६४	७८२७७
२.	एज्केशन केम्प	२७१३	५७१६	७६३८	१३३५४
३.	गैर सरकारी संस्थानों के ए.एस.सेन्टर	५५०	६८९०	६२७६	१३१६६
४.	पुनः नामांकन		१४४१८	१४८०२	२९२२०
५.	कक्षा - १ में नव नामांकन (६-८वर्ष)		२७०१९	२७०२३	५४०४२
६.	स्कूलसे बाहर के बच्चों के लिए रिहायशी केम्प	३५	८४०	८२३	१६६३
७.	सिझनल होस्टेल, सपोर्ट स्कूल		८५७	६०४	१४६१
८.	लेबर वाइल्ड स्कूल	३५	१३२५	४२५	१७५०
९.	के. जी. बी. वी	४५		२०२२	२०२२
१०.	के. जी. बी. वी. (महिला सामख्य) वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में	६		२२३	२२३
	समाविष्ट कुल बच्चें		९४७७८	१००४००	१९५१७८

६.३.१ नामांकित / पुनः नामांकित/ मुख्य प्रवाहित स्कूल से बाहर के बच्चे

स्कूल से बाहर रहे कुल १,४८,३८० बच्चों को सफलतापूर्वक स्कूलों में वापस लाया गया है, जिनमें ७३,८८१ कन्याएं और ७४,४९९ कुमार शामिल हैं । इनमें वैकल्पिक शिक्षा के जरिए मुख्य प्रवाहित किए गए ६५,११८ बच्चें भी शामिल हैं, जिनमें

३३०६२ कुमार और ३२,०५६ कन्याएं हैं। इनमें प्रवेशोत्सव के अभियान के दौरान पुनः नामांकित २९,२२० बच्चे (१४,८०२ कन्याएं, १४,४१८ कुमार) तथा ६ - ८ वयजूथ के कक्षा २ में नवनामांकित ५४,०४२ बच्चे (२७,०१९ कुमार, २७,०२३ कन्याएं) भी हैं ।

क्रम	मुख्य प्रवाहित/ नामांकित/पुनः नामांकित	नामांकित संख्या		
		कुमार	कन्या	कुल
१.	मुख्य प्रवाहित	३३०६२	३२०५६	६५११८
२.	पुनः नामांकित	१४४१८	१४८०२	२९२२०
३.	कक्षा - १ में नामांकित (६ - ८ वर्ष वयजूथ)	२७०१९	२७०२३	५४०४२
	कुल	७४४९९	७३८८२	१४८३८०

६.३.२ ब्रिज कोर्स कार्यक्रम - २००६ - ०७

वर्ष २००६-०७ के दौरान ब्रिज कोर्स के जरिए कुल ९४,९५६ बच्चों का अपव्यय रोका गया है । पिछले तीन वर्षों में इस कार्यक्रमों की सिद्धी ईस प्रकार रही है :

वर्ष	केन्द्रों की संख्या	समाविष्ट बच्चे	सफल होकर उपरी वर्ग में बढोतरी पानेवाले बच्चे
२००४ - ०५	३४०२	५४११४	
२००५ - ०६	७४५८	१५१८८२	७४८६२
२००६ - ०७	१२४२०	२३९६०८	९४९५६

६.४ स्थानांतर पत्र

राज्य के १२ जिलों के १४४१ बच्चों ने स्थानांतर पत्र (माइग्रेशन कार्ड) का लाभ लेकर अपनी पढाई उन स्थानों पर जारी रखी जहां उनके माता-पिता स्थानांतरित हुए थे ।

६.५ सपोर्ट स्कूल

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद ने राज्य के शिक्षा विभाग के लिये मौसमी स्थानांतर करनेवाले लोगों के ६ - १० वर्ष वयजूथ के बच्चों के लिए उनके गंतव्य स्थानों पर कक्षा १ - ७ तक की शिक्षा की सहूलतोंवाले ५० सपोर्ट स्कूलों पैकी ४३ खोले गए । इन सपोर्ट स्कूलों में ९१६ कुमार और ७४३ कन्याओं सहित कुल १६५९ बच्चे नामांकित है । ये सपोर्ट स्कूल कच्छ, राजकोट, जामनगर, जूनागढ और सूरत जिलों में खोले गए हैं । इनमें ७७६ बच्चे स्कूल से बाहर के है, जबकि ८८३ स्कूलों में नामांकित हैं और अपने माता-पिता के साथ स्थानांतर के दौरान अपनी पढाई जारी रख रहे हैं ।

६.६ सिझनल होस्टेल

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद ने राज्य के शिक्षा विभाग के लिए मौसमी स्थानांतर करनेवाले परिवारों के ११-१४ वर्ष वयजूथ के लिए उनके वतन के गाँव में प्रस्तावित ५० में से ४६ सिझनल होस्टेल्स खोले दिए हैं जिन में रहकर अपने माता-पिता के स्थानांतर के दौरान कक्षा ५ - ७ की पढाई जारी रख सकते हैं । कच्छ, राजकोट, जामनगर, जूनागढ और सुरेन्द्रनगर जिलों में खोले गए इन सिझनल होस्टेल्स में कुल १६५९ बच्चे नामांकित हैं, जिनमें ११९८ कुमार और ४६१ कन्याएं हैं । इनमें ३०४ बच्चे स्कूल से बाहर के हैं और १३५५ बच्चे स्कूलों में नामांकित है, जो कि अपने माता पिता के साथ स्थानांतर न करते हुए इन सिझनल होस्टेल्स में रहते हुए अपनी शिक्षा जारी रख रहे हैं ।

६.७ वैकल्पिक शिक्षा के लिये हेन्ड बुक तथा ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल

राज्य स्तर पर वैकल्पिक शिक्षा के लिये हेन्डबुक विकसित की गयी है, जोकि परियोजना के कर्मचारियों, तज्ज्ञों तथा वालमित्रों के लिये ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल भी है ।

सभी जिलों में बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ऑर्डिनेटर तथा मास्टर ट्रेनर्स को वैकल्पिक शिक्षा के ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल वितरित किये गये ।

६.८ अनुसूचित जाति / जनजाति के बच्चों की शिक्षा

अनु.जाति एवं अनु.जनजाति के बच्चों की शिक्षा के लिए सर्व शिक्षा अभियान मिशन द्वारा गुजरात में निम्नदर्शित क्रियाकलोप किए गए :

६.८.१ अनुसूचित जाति / जनजाति के बच्चो के लिए विशेष प्रावधान

गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंडळ के संयोग से एसएसए मिशन द्वारा कक्षा - १, ४ एवं ५ के अनु.जाति एवं अन.जनजाति बच्चों के लिए कार्यपोथि विकसित की गई । सभी स्कूलों में कक्षा-१ की अंकलेखन, कक्षा-४ के हिन्दी मूलाक्षर एवं कक्षा-५ के अंग्रेजी मूलाक्षर की पुस्तिकाएं सभी स्कूलों को वितरित की गई है ।

६.८.२ आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए क्षमता निर्माण

११ जिलों के आदिवासी विस्तारों के ४५ बी.आर.सी. कोओर्डीनेटर्स के लिए एक दो-दिवसीय कार्यशिविर आयोजित किया गया जिसमें सहभागीयों का स्थानिक बोलिओं एवं टीएलएम के लिए स्थानिक सामग्री के उपयोग के विषय में नवसंस्करण किया गया । अध्यापन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए स्थानिक रुप से उपलब्ध सामग्री द्वारा संदर्भित साहित्य का निर्माण किया गया । बाद में, सीआरसी कोओर्डीनेटर्स तथा शिक्षकों को भी आदिवासी बच्चों के लिए निर्मित अध्यापनविद्या का प्रशिक्षण दिया गया ।

६.८.३ स्थानिक बोली

आदिन क्षेत्रो में स्थीत बच्चों को असरदार शिक्षा देने के लिए एवं उसे ज्यादा आनंददायक और गुणवताप्रद बनाने के लिए स्थानिक बोली में पढाना आवश्यक है जिसके उपयोग से शिक्षा की प्रक्रिया को अधिक सहज एवं आसान बनाया जा सकता है । ईस हेतु आदिम तालुको के लिए स्थानिक शिक्षकों की मदद से आदिवासी बोलियों की शब्दावलियां विकसित की गई । वडोदरा के भाषा रीसर्च एवं पब्लिकेशन सेन्टर द्वारा चित्रात्मक शब्दाव्वलियां बनाई गई जिन्के वडोदरा, साबरकांठा और पंचमहाल जिलों के आदिवासी विस्तरों की स्कूलों में वितरीत किया जाए ।

प्रकरण : ७

विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

७.० विशिष्ठ आवश्यकताओंवाले बच्चे

एसएसए के तहत विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों को उच्च गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के प्रयास किये जा रहे है । इसके लिए उनके माता-पिताओं के साथ उनकी विकलांगता और शिक्षा के बारे में सलाह- मशवरा करना अति आवश्यक है । इसी संदर्भ में माता-पिता परिषदों की रचना की गई । विविध विकलांगताओं के बारे में जागृति पैदा करने के लिए इन परिषदों की नियमित बैठकें भी बुलाई गइ । उनमें माता-पिताओं को सकारात्मक अभिगम अपनाने और विकलांग बच्चों की क्षमताओं में विश्वास रखने की अपील की गई । इन परिषदों ने पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और पुनर्वसन के मुद्दों एवं विकलांग बच्चों की शिक्षा में अवरोधरूप विविध मानसिक विघ्नों के बारे में चर्चा करने का सही मंच प्रदान किया है ।

सभी गाँवों में विकलांग बच्चों के माता-पिताओं को वी.ई.सी.में सम्मिलित किया गया और उन्हें सघन प्रशिक्षण भी दिया गया । साथ ही, विकलांग बच्चों के माता-पिताओं को लेकर हर गाँव में एक पेरेन्ट्स काउन्सिल की भी रचना की गई है। पेरेन्ट्स काउन्सिल के सदस्यों को बच्चों में विकलांगता के कारण उद्‌भव होनेवाले कई विशिष्ठ मुद्दों को सुलझाने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

७.१ जनजागृति

माता-पिता और शिक्षकों को अभिप्रेरित करने के लिए अस्थिविषयक विकलांगता, दृष्टि विकलांगता (वी.आई), मानसिक तौर पर मंदबुद्धि (एम.आर.) और श्रवण विकलांगता (एच.आई.) पर ६ पोस्टरों के एक सेट को बनाया गया और विद्यालयों में वितरित किया गया । इन पोस्टरों में विकलांग बच्चों के परिवार और माता-पिता द्वारा उनके प्रति सकारात्मक अभिगम का निर्माण हो सके ऐसे संदेश प्रेषित किए गए हैं । पेरेन्ट्स काउन्सिल, वी.ई.सी., पी.टी.ए., एम.टी.ए. बैठकों के दौरान इन जागृति सामग्री का उपयोग किया जाएगा ।

७.२ आई.ई.डी.सी. के लिए प्रशिक्षण व्यूह रचना

कास्केड मोड में प्रशिक्षण उपर से नीचे तक परियोजना के कर्मचारियों को जिला, ब्लोक, क्लस्टर और ग्राम्य स्तर पर दिया गया है । अनुभवी संसाधन शिक्षकों द्वारा विकलांग बच्चों के साथ काम कर रहे वर्ग शिक्षकों को बी.आर.सी. स्तर पर विकलांगताओं के बारे में विशिष्ठ प्रशिक्षण दिया जाता है ।

विकलांग बच्चों के वर्गशिक्षकों को वर्गखंड प्रबंधन, सकारात्मक अभिगम, सहपाठियों और विद्यालय में पढ रहे अन्य छात्रों, अध्ययन एवं सह-अध्ययन प्रवृत्तिओं, पूरक साहित्य, बच्चों में विकलांगता से पैदा हो रही कठिनाईयों को दूर करने के लिए साधनों के प्रयोग जैसी कई बातों से अभिसंस्कृत किया गया ।

विकलांग बच्चों के विद्यालयों के अन्य सभी शिक्षकों को वर्गखंड प्रबंध, शिक्षकों के व्यवहार, सहपाठी और विद्यालय के अन्य छात्रों और अध्ययन एवं सह-अध्ययन गतिविधियों के बारे में प्रशिक्षित किया गया ।

७.३ प्रशिक्षण मोडयुल्स

बी.आर.सी. और सी.आर.सी. स्तर पर प्रमुख प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण मोडयुल विकसित कर वितरित किया गया । शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मोडयुल तैयार किया गया और सभी विद्यालयों में उसे वितरित किया गया । इस मोडयुल द्वारा शिक्षकों को वर्गखंडो में आदान-प्रदान और विकलांग बच्चों के प्रति उनके दृष्टिकोण में बदलाव लाने का मार्गदर्शन मिलता है । साथ ही, मोडयुल की

विषयवस्तु से शिक्षकों को सह-अध्ययन प्रवृत्तियों की रचना करने में, विभिन्न प्रकार की विकलांगता धारण किए बच्चों की जरूरतों के अनुसार विषय-वस्तु पर आधारित शिक्षा पध्धति अपनाने, टी.एल.एम. (दोनों ही प्रकार के वर्ग और विषय अनुसार) में साहित्य के उपयोग और विशिष्ट साधनों के उपयोग करने में सहायता मिलती है।

७.४ कार्यशिविर और प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्लस्टर स्तर पर परियोजना जिलों में वैधिक विद्यालयों में विकलांग बच्चों के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे :

- विभिन्न विकलांगताओं के प्रति शिक्षकों में जागृति के स्तर को ऊपर उठाना
- विभिन्न प्रकार की विकलांगता के लिए सह-अध्ययन प्रवृत्तिओं की रचना करना और
- विषयवस्तु आधारित शिक्षा पद्धति

प्रशिक्षण का संचालन संसाधन शिक्षकों और गैर-सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों जैसे प्रमुख प्रशिक्षकों द्वारा किया गया । प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने शिक्षक प्रशिक्षण मोडयुल और अन्य कई आई.ई.डी. जागृति सामग्री का इस्तेमाल किया । इसके अतिरिक्त, शिक्षकों में अभिगम परिवर्तन के साथ-साथ वर्गखंडों के आदान-प्रदान में विशिष्ठ आवश्यकताओंवाले बच्चों के खास मसलों पर चर्चा करने की उनकी शक्ति का विकास करने में भी यह प्रशिक्षण बहुत कारगर साबित होगा ।

७.५ जी.सी.ई.आर.टी. में आई.ई.डी.सी. सेल

केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित आई.ई.डी.सी योजना के तहत जी.सी.ई.आर.टी., आई.ई.डी.सी.सेल द्वारा इसका अमल करते हुए गैर-सरकारी संगठनों पर विशेष जरूरतवाले बच्चों की पहचान, वर्गीकरण, अनुमापन तथा प्रमाणित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई । कुछ चुनी हुई एन.जी.ओ. ने तो ४०% से अधिक विकलांग बच्चों को प्रमाणित करने का काम पूर्ण भी कर लिया है, जिन्हें सहायक साधनों एवं उपकरण प्रदान किये जाने हैं ।

७.६ ध्वज दिन का उत्सव

गुजरात में १४ सितम्बर, २००६ को अंधजनों के ध्वज दिन का उत्सव राज्य जिला, तालुका एवं क्लस्टर स्तर पर मनाया गया । इस हफ्तेभर के उत्सव के दौरान विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों की शिक्षा से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में जागृति फैलाने के हेतु से पोस्टर प्रतिस्पर्धा, वक्तृत्व स्पर्धा, जूलुस, नाटक, गीत एवं काव्यपठन प्रतियोगीताएं आयोजित की गई ।

७.७ विश्व विकलांग दिवस का उत्सव

विश्व विकलांग दिवस - ३ दिसम्बर २००६ को सभी जिलों में मनाया गया । विद्यार्थिओं ने जागृति रैलियाँ निकालते हुए नारे लगाए 'रस्ता अमने साचा आपो, ईश्वर अमने वाचा आपो' (हे ईश्वर, हमें सही रास्ता दिखाओ, हमें बोलने की शक्ति दो), 'अमने दया नहीं काम आपो' (हमें दया नहीं काम दो) । इन नारों द्वारा विशेष जरूरतों वाले बच्चों के प्रति सामुदायिक जागृति पर भार दिया गया, विद्यालय और समाज के साथ संकलन साधा गया और विकलांग बच्चों के प्रति शिक्षकों और माता-पिता को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिली । विकलांग बच्चों की जरूरतों के मुद्दों पर विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर्स, गाना एवं नारों की कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

७.८ विकलांग बच्चों का सर्वेक्षण

गुजरात में विकलांग बच्चों का सर्वेक्षण सप्टेम्बर, २००६ में पूर्ण हुआ, जिसके अनुसार राज्यभर में ६ से १८ वर्ष वयजुथ में कुल ७१,२४४ विकलांग बच्चे गुजरात में हैं । इन बच्चों का विवरण नीचे दिया गया है ।

गुजरात में विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	बहुल विकलांगता	कुल
१	अहमदाबाद	५८९	२४४	९०५	११५४	१३२	३०२४
२	अहमदाबाद कोर्पो.	९७८	२७५	५४९	६६६	१	२४६९
३	अमरेली	२८१	१७०	६८८	६७३	७७	१८८९
३	आणंद	८८९	३८०	८९५	१२५६	५८	३४७८
४	बनासकांठा	११५१	५८६	२७३३	१५३५	४११	६४१६
५	भरुच	२८३	१७८	४४४	५७६	५२	१५३३
६	भावनगर	६१२	३५२	१३२०	११५८	१४३	३५८५
७	दाहोद	८३३	३७२	१७९४	७०२	८७	३७८८
८	डांग	१७०	९४	२९५	१९९	३९	७९७
९	गांधीनगर	३८१	१५७	५९०	६७९	१३१	१९३८
१०	जामनगर	३५४	१९०	५९४	८०२	१७६	२१३६
११	जूनागढ	५३१	२९४	९१९	११४७	१४३	३०३४
१२	खेडा	१२१३	५१४	१३४७	१४८९	१५७	४७२०
१३	कच्छ	२३७	३३८	६०६	६३४	०	१८९५
१४	महेसाणा	४८६	२१६	११७७	१०६७	१०३	३०४९
१५	नर्मदा	१८१	६४	३०५	१९६	५०	७९६
१६	नवसारी	१७३	६४	२८०	३५३	४०	९१०
१७	पंचमहाल	८७५	४५१	१३१९	१३१७	१३४	४०९६
१८	पाटण	५६६	२३५	१०४६	६६५	१११	२६२३
१९	पोरबंदर	९३	४०	१९९	२२२	२२	५७६
२०	राजकोट	३९२	२२२	१०४७	१०८४	३२७	३०७२
२१	राजकोट कोर्पो.	४३	४५	२८०	१४८	५	५२१
२१	साबरकांठा	६३२	३३८	१३६३	१०४४	२२३	३६००
२२	सुरत	६२७	३७४	११०८	८४५	३२५	३२७९
२३	सुरत कोर्पो.	२९	१५	१३४	६३	७५	३१६
२३	सुरेन्द्रनगर	५०५	२८०	६८२	१११९	८७	२६६५
२४	वडोदरा	८१८	४१९	९७६	११४५	५१	३४०९
२५	वडोदरा कोर्पो.	६८	१६	१३३	१५८	४२	४१७
२६	वलसाड	२८३	१५७	४२५	३७६	६१	१३०२
	कुल	१४२७३	७०८०	२४१५३	२२४६४	३२६३	७१२४४

७.९ स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चे

सप्टेम्बर, २००६ में पूर्ण हुए सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न विकलांगता वाले कुल ६१,२२४ बच्चे स्कूलों में नामांकित है । विकलांगता के अनुसार स्कूलों में नामांकित बच्चों का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है :

स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	बहुल विकलांगता	कुल
१	अहमदाबाद	५१७	२०४	६९५	१०३०	८९	२५३५
२	अहमदाबाद कॉर्पो.	८४५	२५३	४९५	३७१	१	१९६५
३	अमरेली	२५८	१४०	६०८	५६९	६५	१६४०
४	आणंद	८१३	३६५	८००	१७४	५१	३२०३
५	बनासकांठा	१०१३	५०१	२१५०	१३३२	३११	५३०७
६	भरुच	२२९	१६१	४३१	५०८	४७	१३७६
७	भावनगर	५७१	३३२	१११३	१०५१	१२१	३२०८
८	दाहोद	७८४	३६०	१६७२	६७३	७५	३५६४
९	डांग	१५३	८२	२६०	१९२	३७	७२४
१०	गांधीनगर	३२३	१३१	४७१	५६९	११७	१६११
११	जामनगर	३०५	१४९	४५२	६७४	८६	१६६६
१२	जुनागढ	४६२	२५७	७३३	९७०	६९	२४९१
१३	खेडा	११६१	४८२	१२२२	१४१७	११७	४३९९
१४	कच्छ	२१६	३२०	५३४	५८०	०	१६५०
१५	महेसाणा	४४०	१७५	९९९	९७८	६८	२६६०
१६	नर्मदा	१४८	५१	२२३	१५६	३१	६०९
१७	नवसारी	१४८	५०	२३३	३०१	२८	७६०
१८	पंचमहाल	८०२	४०२	११२९	१२१९	१११	३६६३
१९	पाटण	५००	१९६	८१४	५६५	८९	२१६४
२०	पोरबंदर	८९	३६	१७९	१९२	२०	५१६
२१	राजकोट	३४१	१७२	८२०	८५६	२१५	२४०४
२२	राजकोट कॉर्पो.	२६	९	१४०	५३	३	२३१
२३	साबरकांठा	६१४	३१७	१११८	९६८	१८२	३१९९
२४	सुरत	४८५	२४४	७६४	६११	१७९	२२८३
२५	सुरत कॉर्पो	१६	५	७०	४६	४६	१८३
२६	सुरेन्द्रनगर	४९७	२७६	६७५	१०९४	७८	२६२०
२७	वडोदरा	७५२	३७७	८६९	१०६१	४५	३१०४
२८	वडोदरा कॉर्पो.	५९	९	१११०	१३५	३६	३४९
२९	वलसाड	२६१	१३३	३७९	३२०	४७	१११०
	कुल	१२८२८	६१८९	२०१७८	१९६६५	२३६४	६१२२४

७.१० स्कूल से बाहर रहने वाले विकलांग बच्चे

सप्टेम्बर, २००६ में पूर्ण हुए सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न विकलांगता वाले कुल १०,०२० बच्चे स्कूल से बाहर है । विकलांगता के अनुसार स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है :

स्कूल से बाहर रहनेवाले विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	बहुल विकलांगता	कुल
१	अहमदाबाद	७२	४०	२१०	१२४	४३	४८९
२	अहमदाबाद कोर्पो.	१३३	२२	५४	२९५	०	५०४
३	अमरेली	२३	३०	८०	१०४	१२	२४९
४	आणंद	७६	१५	९५	८२	७	२७५
५	बनासकांठा	१३८	८५	५८३	२०३	१००	११०९
६	भरुच	५४	१७	१३	६८	५	१५७
७	भावनगर	४१	२०	१८७	१०७	२१	३७७
८	दाहोद	४९	१२	१२२	२९	१२	२२४
९	डांग	१७	१२	३५	७	२	७३
१०	गांधीनगर	५८	२६	११९	११०	१४	३२७
११	जामनगर	४१	४१	१४२	१२८	९०	४५०
१२	जुनागढ	६९	३७	१८६	१७७	७४	५४३
१३	खेडा	५२	३२	१२५	७२	४०	३२१
१४	कच्छ	२१	१८	७२	५४	०	१६५
१५	महेसाणा	४६	४१	१७८	८९	३५	३८९
१६	नर्मदा	३३	१३	८२	४०	१९	१८७
१७	नवसारी	२५	१४	४७	५२	१२	१५०
१८	पंचमहाल	७३	४९	१९०	९८	२३	४३३
१९	पाटण	६६	३९	२३२	१००	२२	४५९
२०	पोरबंदर	४	४	२०	३०	२	६०
२१	राजकोट	५१	५०	२२७	२२८	११२	६६८
२२	राजकोट कोर्पो.	१७	३६	१४०	९५	२	२९०
२३	साबरकांठा	१८	२१	२४५	७६	४१	४०१
२४	सुरत	१४२	१३०	३४४	२३४	१४६	९९६
२५	सुरत कोर्पो.	१३	१०	६४	१७	२१	१३३
२६	सुरेन्द्रनगर	८	४	७	१७	९	४५
२७	वडोदरा	६६	४२	१०७	८४	६	३०५
२८	वडोदरा कोर्पो.	९	७	२३	२३	६	६८
२९	वलसाड	२२	२४	४६	५६	१४	१६२
	कुल	१४४५	८९१	३९७५	२७९९	८९९	१००२०

७.११ एसेसमेन्ट केम्प

वर्ष २००५-०६ और २००६-०७ के दौरान कुल ४३,९०८ विकलांग बच्चों के लिए एसेसमेन्ट केम्प आयोजित किए गए, जिसका विवरण इस प्रकार है:

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	मानसिक क्षति	अस्थिविषयक क्षति	कुल
१	अहमदाबाद	७२४	३५	१०७	५८८	१४५४
२	अमरेली	१८२	२१०	३६०	४५३	१२०५
३	आणंद	७११	५६०	९००	७४१	२९१२
४	बनासकांठा	१०७५	७२५	१४८०	२४१६	५६९६
५	भरुच	२१०	१३३	४४०	४७७	१२६०
६	भावनगर	३९४	२८९	३६७	३२२	१३७२
७	दाहोद	२६६	३८४	२८१	११०४	२०३५
८	डांग	१४३	९५	५९	१८०	४७७
९	गांधीनगर	३२५	६०	१२५	५५०	१०६०
१०	जामनगर	४८१	६९	६३८	४५८	१६४६
११	जूनागढ	२९५	११	४१२	५१३	१२३१
१२	खेडा	१२६०	६५१	१४१६	१३२८	४६५५
१३	कच्छ	१४७	७६	२०९	२०७	६३९
१४	महेसाणा	५५२	३४३	९५०	१४८७	३३३२
१५	नर्मदा	६७	४६	७६	१७६	३६५
१६	नवसारी	२४४	१३१	३३२	४०४	१११९
१७	पंचमहाल	१७४	३१४	३५९	६७०	१५१७
१८	पाटण	५०७	९०	९०	७०४	१३९१
१९	पोरबंदर	९३	२९	१६६	१६९	४५७
२०	राजकोट	२४९	२८७	३५७	३४२	१२३५
२१	साबरकांठा	३२३	२६१	४२४	६४५	१६५३
२२	सुरत	११४	२२	११५	५६२	८१३
२३	सुरेन्द्रनगर	०	२१९	४८६	६०७	१३१२
२४	वडोदरा	१०६१	१०९२	१४६१	११८१	४७९५
२५	वलसाड	५१	१८	१८	१९८	२८५
-	कुल	९६४८	६१५०	११६२८	१६४८२	४३९०८

७.१२ साधन एवं उपकरण

वर्ष २००५-०६ और २००६-०७ के दौरान एसएसए - आईईडी के तहत कुल ४५,६५० विकलांग बच्चों को साधन एवं उपकरण दिए गए जिसका विवरण नीचे दिया गया है ।

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	मानसिक क्षति	अस्थिविषयक क्षति	कुल
१	अहमदाबाद	७१	४२७	१३०४	३०५	२१०७
२	अमरेली	१४३	३८९	९७४	१७६	१६८२
३	आणंद	८६	५३९	१०३०	२५१	१९०६
४	बनासकांठा	२२८	६५१	१६६९	२०९६	४६४४
५	भरुच	४२	३१४	५१६	२६१	१११३
६	भावनगर	१५१	५३९	८३६	४१३	१९३९
७	दाहोद	१८४	३८४	४९५	२८७	१३५०
८	डांग	८०	३४२	१०६	१५९	६८७
९	गांधीनगर	७०	३२१	९६४	२००	१५६३
१०	जामनगर	३४	३०७	९३७	४५२	१७३०
११	जूनागढ	१७	५०८	१३२६	५७७	२४२८
१२	खेडा	१३६	५६१	१२७६	८३१	२८०४
१३	कच्छ	३४	४२६	७८१	२६३	१५०४
१४	महेसाणा	१९२	३८९	८४८	१०६४	२४९३
१५	नर्मदा	६३	२८४	१४०	१५५	६४२
१६	नवसारी	०	३२९	५६८	२२४	११२१
१७	पंचमहाल	१५५	४६४	७७४	२३३	१६२६
१८	पाटण	९१	३८९	६१०	५६५	१६५५
१९	पोरबंदर	२५	२७६	१९३	४९	५४३
२०	राजकोट	३२	३५२	८७६	४८२	१७४२
२१	साबरकांठा	६२	५०२	१३१८	११७६	३०५८
२२	सुरत	३४	४२७	७८३	३४५	१५८९
२३	सुरेन्द्रनगर	३०	४६४	१३०४	८५९	२६५७
२४	वडोदरा	९२	५०९	११३२	२२४	१९५७
२५	वलसाड	३२	३५१	४१५	२९२	१०९०
	कुल	२०८४	१०४५२	२११७५	११९३९	४५६५०

७.१३ एसएसए के तहत आईडीसी के लिए शिक्षक-प्रशिक्षण

वर्ष २००५-०६ और २००६-०७ के दौरान आर.सी.आई., महाराजा भोज युनिवर्सिटी (भोपाल) और अध्यजन मंडल (अहमदाबाद) के सहकार से आयोजित विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिये फाउन्डेशन कोर्स के दौरान कुल २,०८४ (प्रत्येक तालुका से) शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया ।

प्रकरण : ८

मिडिया और अनुलेखन

८.० मिडिया हिमायत

गुजरात में एसएसए और डीपीईपी के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा, और खास करके, लडकियों की शिक्षा की हिमायत मिडिया और अनुलेखन ईकाइ का केन्द्रस्थ विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मिडिया संदेश, मिडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिझाईन की गइ मिडिया मिक्स व्युहनीति का उपयोग किया गया है। इनकी वजह से आधार स्तर पर समुदाय के सहयोग के द्वारा एसएसए और डीपीईपी ने बहुत अच्छी नामना एवं स्वीकृति पायी है । इसके अलावा परियोजना के सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्त्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया गया है ।

८.१ लोक माध्यम

बनासकांठा की जिला मिडिया ईकाइ ने जिले में नामांकन अभियान से पहले 'भवाई' नाटकों का आयोजन किया । बच्चों का पाठशालाओं में नामांकन करवाने के प्रति लोगों की विचारधारा को सकारात्मक तरीके से बदलने में स्थानिय लोक माध्यम को उपयोग में लाया गया ।

डांग में जनजातिओं में प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण को सहायभूत करने के लिए तमाशा पार्टीओं का सफल उपयोग किया गया । एसएसए और एनपीईजीईएल के प्रचार के लिए, जिले के गाँवों में निरंतर रूप से लगनेवाले परंपरागत मेलों-हाट का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया ।

८.२ अनुलेखन

राज्य की मिडिया और अनुलेखन ईकाइ द्वारा वर्ष के दौरान निम्न लिखित अनुलेखन और प्रकाशन तैयार किए गए :

(१) गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद की कार्यपालक समितिकी २८वीं और २९वीं बैठकों के लिये प्रगति अहेवाल ।

(२) डीपीईपी-४ का इंम्प्लीमेन्टेशन रीपोर्ट

(३) सर्व शिक्षा अभियान के चौथे और पाँचवें जोइन्ट रिव्यू मिशन के लिए प्रगति अहेवाल

(४) वर्ष २००६- ०७ के वार्षिक अहेवाल और अन्वेषित हिसाब (अंग्रेजी और हिन्दी में)

(५) रिपोर्ट : मिड डिकेड असेसमेन्ट ओफ इ. एफ. ए. गोल्स इन गुजरात ।

(६) गुजरात में राज्य सरकार द्वारा कन्या शिक्षा में सुधार लाने के लिए किये गए प्रयासों के विषय में एक ३० - मिनट की अंग्रेजी दस्तावेजी फिल्म अहमदाबाद के सरदार पटेल इन्स्टीट्यूट ओफ पब्लीक एडमिनिस्ट्रेशन के लिए बनाई गई ।

(७) कन्या शिक्षा सुधार पर उक्त फिल्म के साथ एक विस्तृत केस स्टडी भी बनाया गया और सरदार पटेल इन्स्टीट्यूट ओफ पब्लीक एडमिनिस्ट्रेशन को सौंपा गया ।

(८) इन्डियन इन्स्टीट्यूट ओफ मेनेजमेन्ट के रवि मथाई सेन्टर फोर एज्यूकेशन इनोवेशन के पुस्तक "शिक्षा संगम इनोवेशन अन्डर एस. एस. ए." में गुजरात में टेलिकोन्फरन्सिंग, रेइन-वोटर हार्वेस्टिंग, कन्या शिक्षा के लिए एन. पी. इ. जी. इ. एल. तथा अन्य कार्यक्रमों के विषय में विस्तृत लेख प्रकाशित किये गए ।

८.३ मिडिया कवरेज

राज्य में एसएसए और एनपीईजीईएल के तहत आयोजित महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों को व्यापक मिडिया कवरेज दी गयी । राज्य, जिल्ला, ब्लोक और क्लस्टर स्तर पर आयोजित प्रमुख कार्यक्रम जैसे कि सेमिनार, कार्यशिबिरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और राज्य में महानुभावों की मुलाकातों को अंग्रेजी और गुजराती अखबारों द्वारा प्रसारित किया गया ।

८.४ रेडियो

एसएसए में समुदायों का समर्थन प्राप्त करने के हेतु से रेडियो पर मास मिडीया केम्पेन शुरु किया गया । आकाशवाणी, अहमदाबाद द्वारा बच्चों के - विशेषत: कन्याओं के - नामांकन एवं स्थायिकरण को बढावा देने के लिये दो रेडियो जिंगल का निर्माण

किया गया । ऑल इंन्डिया रेडियो के प्रायमरी चेनल पर शाम के ७ : ०० बजे के प्रादेशिक समाचार के पहेले इन दोनं रेडियो जिंगल्स को प्राथमिक शिक्षा के विषय में जनजागृति पेदा करने के लिये प्रसारित किया गया । इन्हें जून, जुलाई २००६ में आयोजित प्रवेशोत्सव के दौरान आकाशवाणी के अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और भुज से प्रसारित किया गया ।

एसएसए का रेडियो जीन्गल 'स्कुल चलें हम' को आकाशवाणी, अहेमदाबाद द्वारा राज्य भर में प्रसारित किया गया ।

८.६ एस.टी.बसों पर विज्ञापन

सभी बच्चे प्राथमिक स्कुलोमें नामांकित हों यह सुनिश्चित करने के लिये मिडीया प्रवृत्तियोंको बढावा दिया गया । परियोजना जिला में सेवा देनेवाली एस.टी. बसों के साईड पेनल पर (२०' x ३.५') डीपीईपी तथा एसएसए के संदेशों को प्रदर्शित किया गया । इसी प्रकार के विज्ञापन राज्य के सभी जिलों में एस.टी.बसों के तालुका मुख्य मथक पर होर्डिंग (२०' x १०') द्वारा प्रदर्शित किये गये ।

८.७ पोस्टर्स एवं मेईलर्स

ग्राम्य जनता में प्राथमिक शिक्षा के महत्त्व के विषय में जागृति लाने के उद्देश्य से पोस्टर्स विकसित किये गये । जुन २००६ में प्रवेशोत्सव के दौरान पोस्टर्स, मेईलर्स एवं प्रतिज्ञापत्रो का एक सेट सभी स्कुलों में कन्याओं तथा अन्य वंचित तथा स्कुल से बाहर रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढावा देने के लिये वितरित किया गया ।

८.७ टेलिविझन कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान दूरदर्शन केन्द्र अहेमदाबाद द्वारा निम्नदर्शित कार्यक्रम प्रसारित किए गए ।

- यूनिसेफ के सहयोग से जीसीईई द्वारा निर्मित ३० सेकण्ड के ८ टीवी स्पोटर्स जून-जुलाई २००६ के दौरान प्राईम टाईम पर प्रसारित किए गए ।
- ओप्रिल २००६ में शिक्षक प्रशिक्षण में गुणवत्ता के विषय पर पेनल - डिस्कशन इ. एफ. ए. सप्ताह के दौरान दूरदर्शन से प्रसारित किया गया ।
- मान. मुख्यमंत्रीश्री एवं मान. शिक्षामंत्रीश्री के जन-संदेशों को १४ एवं १५ जून, २००५ को प्रसारित किया गया ।
- कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय पर एक ३० मिनट की डोक्युमेन्टरी फिल्म दूरदर्शन द्वारा प्रसारित किया गया ।
- संशोधन एवं मिना केम्पेईन की फिल्मो को सभी जिलों में क्लस्टर स्तर पर आयोजित माँ-बेटी सम्मेलन के द्वारा दिखाया गया ।

८.८ मेघदूत पोस्ट कार्डस

एसएसए के विज्ञापन को मेघदूत पोस्ट कार्ड पर प्रदर्शित किया गया जिन्हे गुजरात में एनपीईजीईएल व समाविष्ट शैक्षिक रुपसे पिछडे हुए ७८ तालुकों तथा १३ शहेरी झोंपडपट्टिओं के पोस्ट ओफीस द्वारा विक्रित किया गया ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत जनसहयोग संपादन का व्यूह अपनाया गया है ताकी वीईसी, एमटीए एवं पीटीए के सभ्यों में प्रारंभिक शिक्षा के महत्त्व के बारे में जागृति लाई जा सके । एसएसए के सर्वोपरी लक्ष्य सार्वत्रिक नामांकन को सिध्ध करने के लिए तथा सभी बालिकाए स्कूल में दाखिल हों यह सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के पोस्ट विभाग द्वारा शुरु किए गए मेघदूत पोस्ट कार्ड के माध्यम का उपयोग किया गया ।

मेघदूत पोस्ट कार्ड के पृष्ठ अर्ध भाग पर प्रदर्शित विज्ञापन एक सोश्यल मार्केटींग टुल के तौर पर गुजरात के ग्राम्य विस्तारों में सर्व शिक्षा अभियान एवं एनपीईजीईएल के लक्ष्यो को सिध्ध करने के लिए बहुत ही असरदार साबित हुए है ।

८.९ ई.एफ.ए. सप्ताह उत्सव

ईएफए सप्ताह उत्सव के लिए एक राज्यव्यापी रेडियो केम्पेईन आकाशवाणी के माध्यम से किया गया । ऑल ईन्डिया रेडियो द्वारा स्कूलों में बच्चों के सार्वत्रिक नामांकन एवं स्थायीकरण को प्रोत्साहन देने के लिए बनाए गए ३० सेकण्ड के स्पोट को लगातार २६ से ३० अप्रिल, २००६ को शाम के ७:१० के प्रादेशिक समाचारों के बाद प्रसारित किया गया ।

गुजरात के सभी जिलों में तालुका एवं क्लस्टर स्तर पर ईएफए केम्पेईन के बारे में जन जागृति पेदा करने तथा उसके लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए जुलुस निकाले गए ।

प्रकरण - ९

मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम

९.० मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम

एस.एस.ए. तथा एन.पी.ई.जी.ई.एल. को गुजरात में कम्प्युटराइज्ड सूचना व्यवस्था के जरिए नियंत्रित किया गया, जिससे परियोजना के विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति तथा वित्तिय खर्च का असरदार ढंग से नियमन किया जा सके और निगरानी रखी जा सके ।

परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार डीस्ट्रीक्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम ओफ एज्युकेशन (डायस) सोफ्टवेर पेकेज का प्रयोग किया गया । डायस द्वारा बुनियादी जानकारी प्रदान की जाती है जिसे कार्यक्रम के पहलुओं और शैक्षिक कार्यों के आयोजन में उपयोग किया जाता है । अपेक्षित परिणामों और आर्थिक प्रवृत्तियों के आयोजन की सूचना से आयोजकों और अमलकर्ताओं को कार्यक्रम की असरकारता और प्रभावों का मुल्यांकन करने में मदद मिलती है ।

एसएसए तथा डीपीईपी के तहत स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस और डिस्ट्रीक्ट प्रोजेक्ट ओफिसीस में मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम सेल क्रियान्वीत किये गये है, जिन्हें पर्याप्त साधनों, सुविधाओं और मानवबल से संपन्न किया गया है ।

९.१ २००६ - ०७ में एम.आई. एस.

सर्व शिक्षा अभियान मिशन, एन.पी.ई.जी.ई.एल. एवं के.जी.बी.वी. के लिए वर्ष के दौरान एम.आई.एस. द्वारा मुख्यत: निम्नदर्शित प्रवृत्तियाँ की गई :

- एस.एस.ए मिशन के वर्ष २००७ - ०८ के लिये एन्युअल वर्क प्लान और बजेट तैयार किये गये ।
- कार्यालय के दैनिक कार्यों में कम्प्युटरों के उपयोग के लिए राज्य और जिला एमआईएस कर्मचारियों द्वारा बीआरसी को ओर्डिनेटरों को निरंतर सहयोग दिया गया ।
- डी.आई.एस.ई. (डायस) सिस्टम को सभी जिलों में अमली बनाया गया ।
- राज्य तथा जिला स्तर पर डायस के अमलीकरण के लिये श्रृंखलाबद्ध कार्यशिबिरों का आयोजन किया गया ।
- डायस डेटा रिपोर्ट (२००६-२००७) सभी जिलों के लिए तैयार किया गया और भारत सरकार को भेजा गया । साथ ही, परियोजना कर्मचारियों के साथ जिला, राज्य और ब्लोक स्तर पर वितरित किया गया ।
- स्कूल रिपोर्ट कार्ड तैयार किए गए जिन्हे सभी स्कूलों में वितरित किया गया ।
- स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस का वेब साईट तैयार किया गया जिसका पता है : www.ssamgujarat.org

९.२ कम्प्यूटर एईडेड एज्युकेशन प्रोग्राम

- कम्प्यूटर एईडेड एज्युकेशन प्रोग्राम का अमल ८१० उच्चतर प्राथमिक स्कूलों में किया गया ।
- इन्टेल द्वारा इन ८१० स्कूलों के हेड मास्टरों को कम्प्यूटर ट्रेनिंग दी गई ।
- इन्टेल द्वारा ८१० शिक्षकों को कम्प्यूटर साक्षरता की १०-दिवसीय तालीम दी गई ।
- ७१५० शिक्षकों को कम्प्यूटर्स शिक्षा के मुख्य घटकों की तालीम दी गई ।
- कम्प्यूटर सहायित शिक्षा के लिए १५५१ शिक्षकों को कास्केड मोड में प्रशिक्षण दिया गया।
- इस कार्यक्रम के तहत चुनिंदा ८१० सी.आर.सी. पर कम्प्यूटर लेब्स स्थापित किए गए, जिन्हे ५ कम्प्यूटर एवं १ प्रिन्टर दिया गया ।
- विद्यार्थिओं को पढाने में आसानी हो इस हेतु स्थानिक साधन सामग्री से टीएलएम के निर्माण के लिए शिक्षकों को तालीम देने के लिए टीएलएम ट्युटर सीडी भाग-१ और २ को विकसित किया गया ।
- कक्षा ५, ६ और ७ के लिए गुजराती भाषा में ९ मल्टी मिडीया सीडीस का एक सेट तैयार किया गया ।
- इस कार्यक्रम को डीस्ट्रिक्ट एसआईएस कोओर्डीनेटर्स तथा अझीम प्रेमजी फाउन्डेशन के स्टेट कोओर्डीनेटर्स द्वारा मोनीटर किया जा रहा है ।
- ९२५ मोडल क्लस्टर स्कूलों को कम्प्यूटर प्रदान किए गए ।

९.३ विलेज / बेसिक एज्युकेशन रजिस्टर (वीईआर / डबल्युईआर) का कम्प्यूटराईझेशन

- वीईआर / डबल्युईआर को कम्प्यूटराईझ किया गया है ।
- तालुका / जिलों के बुनियादी डेटा को संदर्भित तालुकों / जिलों में लगाया गया है ।

प्रकरण - १०

प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट

१०.० वर्ष २००७-२००८ के लिये वार्षिक कार्य योजना और बजट की तैयारी

वर्ष २००७-०८ के लिये वार्षिक कार्य योजना और बजट ग्राम्य समूदाय स्तर से जिला स्तर के सहयोग से सहभागितापूर्ण प्रक्रिया द्वारा तैयार किया गया । जिला और ब्लोक स्तरों पर किए गए सूक्ष्म-आयोजन और विभिन्न अभ्यासों का लेखा आयोजन को तैयार करने में लिया गया । व्यूहरचना के निर्माण में डायस के आंकडों उपयोग किया गया ।

१०.१ पी. एन्ड एम. के मुख्य क्रिया-कलाप

वर्ष २००७-०८ की वार्षिक कार्य योजना एवं बजेट को गुजरात में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण के मुख्य निम्नदर्शित क्रिया-कलापों के आधार पर बनाया गया ।

- वार्षिक आयोजन में वैकल्पिक शिक्षा प्रणालि को मजबूत करने के कार्य को प्राथमिकता दी गई । स्कुल से बाहर रहनेवाले बच्चों को समाविष्ट करने के लिए आधार स्तर पर वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों को खोलने एवं चलाने के लिए गैर-सरकारी संस्थानों को प्रोत्साहन देना ।
- गणनापात्र मौसमी स्थानांतरवाले जिलों में माता-पिता के साथ स्थानांतर करनेवाले बच्चों को मुख्य प्रवाह में लाने के लिए ब्रीज कोर्स प्रोग्राम लागु किया गया ।
- दुर्गम एवं कठिन विस्तारो में पिछडे एवं लघुमति जूथ की कन्याओं को सहुलत प्रदान करने के लिए कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना एक महत्त्वपुर्ण अंग है ।
- समुदायों की सहभागिता और सहयोग प्राप्त हो, इस हेतु तीनों जिलों में जागृति मुहिम को और तेज किया गया । विगत अनुभवों के आधार पर अभिप्रेरण व्यूहरचनाओं में सुधार लाया गया। इस वर्ष के वार्षिक आयोजन में स्थायीकरण और गुणात्मक सुधार पर ज्यादा ध्यान दिया गया ।
- वस्तु आधारित शिक्षण प्रणालि, जिसे डायट और जी.सी.ई.आर.टी. द्वारा नियमित प्रशिक्षण के भागरुप नहीं लिया जाता, एक अन्य क्षेत्र है जिसे अध्यापन विद्या में सुधार का अंग समझकर इस पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा ।
- शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए डायट, बीआरसी और सीआरसी के क्षमता निर्माण पर भार ।
- मकानों की मरम्मत के बाद निर्माण कार्यों का मुख्य केन्द्र बिंदु वर्गखंडों और भवनों के निर्माण पर रहा जो कि बिल्डींग-एझ-लर्निंग-एईड (बाला) अप्रोच के तहत अध्ययन की सुविधा प्रदान करती है ।
- आई.ई.डी और ई.सी.ई के संसाधनो के मजबूतीकरण के साथ ही आंगनवाडी कार्यकरों के लिये मोडयुल्स, प्रशिक्षण किट, और विभिन्न प्रकार की विकलांगताओं के लिए सहाय और साधन हस्तगत करवाये जाएंगे ।

१०.२ माईक्रोप्लानिंग

माईक्रोप्लानिंग की तालीम को कासकेड मोड मे बीआरसी, सीआरसी एवं स्कुल स्तर पर आयोजित किया गया । अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सुरत के म्युनिसिपल कोर्पोरेशन के विस्तारों के सभी सीआरसी को.ओर्डिनेटरसंको प्रशिक्षित किया गया । समुदायों के समर्थन से स्कुल तथा ग्राम स्तर पर अनुमापन कवायतें की गइ । डीपीइपी तथा एसएसए के तहत विलेज एज्युकेशन रजिस्टर सभी जिलों में निभाये जाते है ।

१०.३ मोनीटरिंग और सुपरवीझन

सर्व शिक्षा अभियान के गुणात्मक एवं गणनात्मक आयामों के मोनीटरिंग तथा सुपरवीझन के लिये एन.सी.ई.आर.टी. तथा एन.आई.ई.पी.ए द्वारा तैयार किये गये फोर्मेट्स को गुजराती में अनुवादित किया गया तथा जिला, बीआरसी, सीआरसी तथा स्कुल

स्तर पर वितरित किया गया । राज्य से ग्राम्य स्तर पर कास्केड मोड में प्रशिक्षण दिया गया है । क्लस्टर स्तर पर वीईसी के सदस्यों को सर्व शिक्षा अभियान के स्कूल में मोनीटरींग तथा सुपरवीझन के लिये नवसंस्करित किया गया । मोनीटरींग और सुपरवीझन के लिये मार्च २००७ अंतित त्रिमासिक अहेवाल भारत सरकार को भेज दिया गया है ।

१०.४ रेजीयोनल रीसर्च ईन्स्टीट्युट्स फोर एज्युकेशन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ही द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के राज्य स्तरीय अमलीकरण के मोनीटरिंग और सुपरवीझन का जिम्मा सरदार पटेल ईन्स्टीट्युट ओफ सोश्यल एन्ड इकोनोमीक रीसर्च, अहमदाबाद तथा सेन्टर फोर एडवान्स्ड स्टडीस इन एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा को सोंपा गया है । ईन दोनों रिजीयोनल रीसर्च ईन्स्टीट्युट्स फोर एज्युकेशन द्वारा एसएसए जिलों में क्षेत्रिय प्रवास किया जाता है, तथा भारत सरकार को इसका अहेवाल पेश किया जाता है ।

१०.५ संशोधन एवं मूल्यांकन

संशोधन अनुदान राज्य के सभी डायट्स को दिये जा चुके हैं । सभी बीआरसी तथा सीआरसी को ओर्डिनेटर्स को क्रियात्मक संशोधन के विषय में प्रशिक्षण दिया जा चुका है । ३ संशोधन अभ्यास पूर्ण हो चुके हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर की कार्यशिबिर में पेश किया गया था । राज्य में वर्ष २००६-२००७ के दौरान प्रत्येक डायट द्वारा ३० संशोधन अभ्यास किय गये ।

एसएसए के लिये बेस लाईन ऐसेसमेन्ट सर्वे, पसंद किये गये ४ जिलोंके २०० स्कुलों में संपन्न किया गया, जिसमें एन. एम. सदगुरु वाटर एन्ड डेवलोपमेन्ट फाउन्डेशन, दाहोद, डो. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी, अहमदाबाद तथा सी.ए.एस.ई., फेकल्टी ओफ एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा शामिल थे ।

१०.६ एसएसए में संशोधन एवं अभ्यास की भूमिका

एसएसए के अमलीकरण में संशोधन की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है । एसएसए के तहत राष्ट्रिय तथा राज्य स्तर पर विविध विषयों पर अभ्यास किए गए है, जैसे की विविध कार्यक्रमों की असरकारकता के विषय में प्रतिपूर्ति देना, अमलवारी की समस्याओं को उजागर करना तथा उन्हे दुर करने के लिए असरदार उपाय सूचित करना ।

१०.७ गुजरात में एसएसए के तहत संशोधन और अभ्यास

गुजरात में एसएसए के तहत वर्ष २००५-०६ के दरम्यान विविध संस्थाओं को कुल ४२ संशोधन अभ्यास सोंपे गए ।

प्रकरण - ११

निर्माण कार्य

११.० एसएसए के तहत निर्माण कार्य

नामांकन जुंबिशों और ऐसी ही कुछ अन्य प्रोत्साहक प्रवृतियों के परिणाम स्वरुप विद्यालयों में नामांकन में कई गुना वृद्धि हुइ है। नामांकन में हुइ इस तीव्र वृद्धि के कारण प्रवर्तमान शिक्षा सुविधाएं अपर्याप्त होने लगी हैं । इस परिस्थिति से निपटने के लिए, नए विद्यालयों का निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंडों, लडकियों के लिए अलग शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, जैसे कइ जरुरी कार्यों को एसएसए के तहत जीसीपीई ने अपने हाथ में लिया है । परियोजना जिलों की प्राथमिक शालाओं में इन क्रिया कलापों से समग्र अध्यापन वातावरण में निश्चित विकास हाँसिल हुआ है ।

जिला परियोजना इकाइयों द्वारा वी.सी.डब्ल्यु.सी. और स्थानिक समुदायों के समर्थन से निर्माण कार्य एसएसए के तहत किये गये । गुजरात के २५ जिलों तथा ४ म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तारों में नयी स्कूलों के निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंड, भवनविहिन स्कूलों के मकान, हेडमास्टर रुम, शौचालयों, पेशाब घर, कम्पाउन्ड वोल, ब्लोक रिसोर्स भवन, क्लस्टर रिसोर्स भवन तथा मरामत के काम किये गये ।

११.१ अतिरिक्त वर्गखंड एवं नये स्कूल भवन

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा इस वर्ष अतिरिक्त वर्गखंड एवं नये स्कूल भवन का निर्माण किया गया । लक्षित ७१४५ अतिरिक्त वर्गखंडों में से कुल ३४९३ का कार्य सम्पन्न हो चूका है और ३२०४ में काम जारी है । मिड-डे-मिल कीचन शेड के साथ कुल ९९ नये स्कूल भवनों का निर्माण लक्षित था, जिस में से ८१ का कार्य सम्पन्न हो चूका है, जब कि १८ स्कूलों मे काम चल रहा है । इनकी जिलावार स्थिति नीचे दी गई है :

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड			एम.डी.एम कीचनशेड		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१.	अहमदाबाद	१३१	५५	६३	०	०	०
२.	अहमदाबाद कोर्पो.	०	०	०	०	०	०
३.	अमरेली	९५	५८	२७	०	०	०
४.	आणंद	११५	५३	५८	०	०	०
५.	बनासकांठा	१०८५	५४१	५३६	२५	२०	५
६.	भरुच	३६५	२१०	१४३	३	२	१
७.	भावनगर	१३३	४०	७८	०	०	०
८.	दाहोद	६५२	४२५	१७४	८	६	२
९.	डांग	५०	४३	७	०	०	०
१०.	गांधीनगर	७७	३९	३८	०	०	०
११.	जामनगर	१३५	८०	४५	०	०	०
१२.	जूनागढ	१३१५	४८१	६८५	०	०	०

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड			एम.डी.एम कीचनशेड		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१३.	खेडा	१३९	७२	४९	०	०	०
१४.	कच्छ	३००	१८४	९६	३५	३०	५
१५.	महेसाणा	११२	६१	४४	०	०	०
१६.	नर्मदा	१०६	५७	४३	०	०	०
१७.	नवसारी	७०	४२	२८	०	०	०
१८.	पंचमहाल	६०१	२९८	२९६	६	५	१
१९.	पाटण	११८	६१	५५	०	०	०
२०.	पोरबंदर	२९	१७	१२	०	०	०
२१.	राजकोट	७१०	३१२	३५६	०	०	०
२२.	राजकोट कोर्प.	१२	०	०	०	०	०
२३.	साबरकांठा	१३३	७०	५३	१९	१६	३
२४.	सुरत	१२५	५५	५८	०	०	०
२५.	सुरत कोर्प.	०	०	०	०	०	०
२६.	सुरेन्द्रनगर	१३७	६७	६८	०	०	०
२७.	वडोदरा	१७८	७९	८६	०	०	०
२८.	वडोदरा कोर्प.	१०	०	१०	०	०	०
२९.	वलसाड	२१२	१००	९६	३	२	१
	कुल	७१४५	३४९३	३२०४	९९	८१	१८

११.२ बच्चों के खेल-कूद की सहूलतें, शौचालय एवं बी.आर.सी. भवन

इस वर्ष के दौरान बनासकांठा (२५), कच्छ (३५) और साबरकांठा (१९) जिलोंमें कुल ९९ स्कूलों में बच्चों के खेल-कूद की सहूलतों का निर्माण लक्षित था । इन सभी स्थानों पर निर्माण प्रगति में है ।

वडोदरा जिले में ३ शौचालयों का निर्माण लक्ष्य के मुताबिक पूर्ण होय गया है ।

इस वर्ष कुल १० बी.आर सी. भवनों का निर्माण शुरु किया गया, जिनमें से ४ (बनासकांठा, जामनगर, जुनागढ और पोरबंदर प्रत्येक जिलों में एक) का निर्माण पूर्ण हो चूका है, जब कि ४ में (कच्छ जिले में) काम जारी है ।

११.३ रेइन वोटर हार्वेस्टिंग

रेइन वोटर हार्वेस्टिंग सहूलतों का निर्माण १९८ स्कूलों में इस वर्ष शुरु किया गया, जिन में से १८५ का कार्य पूर्ण हो चूका है, जब कि ११ जगहों पर अभी काम चल रहा है । इसका जिलावार ब्योरा नीचे दिया है :

क्रम	जिला	रेइन वोटर हार्वेस्टींग		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१.	अहमदावाद	८	८	०
२.	अहमदावाद कोर्पो.	०	०	०
३.	अमरेली	११	८	२
४.	आणंद	०	०	०
५.	बनासकांठा	५	५	०
६.	भरुच	८	७	१
७.	भावनगर	११	१०	१
८.	दाहोद	२०	१७	३
९.	डांग	०	०	०
१०.	गांधीनगर	१०	१०	०
११.	जामनगर	०	०	०
१२.	जुनागढ	१५	१५	०
१३.	खेडा	०	०	०
१४.	कच्छ	०	०	०
१५.	महेसाणा	११	७	४
१६.	नर्मदा	६	५	१
१७.	नवसारी	३	३	०
१८.	पंचमहाल	१२	१२	०
१९.	पाटण	२	२	०
२०.	पोरबंदर	११	११	०
२१.	राजकोट	११	११	०
२२.	राजकोट कोर्पो.	०	०	०
२३.	साबरकांठा	३	३	०
२४.	सुरत	३	३	०
२५.	सुरत कोर्पो.	०	०	०
२६.	सुरेन्द्रनगर	१०	१०	०
२७.	वडोदरा	११	११	०
२८.	वडोदरा कोर्पो.	०	०	०
२९.	वलसाड	२७	२७	०
	कुल	१९८	१८५	११

११.४ बिल्डींग एझ ए लर्निंग एइड (बाला)

सर्व शिक्षा अभियान गुजरात का बच्चों को खेलकुद की सहूलतों के साथ शिक्षा प्रदान करने का प्रयास 'बाल' (बिल्डींग एझ ए लर्निंग एइड) स्कूल भवन के विभिन्न भागों को विशेष तौर पर निर्मित करके, शिक्षा में सर्वांगी एवं गुणवत्तासभर सुधार लाने की दिशा में एक नवाचारी संकल्पना है । राज्यभर में मोडल स्कूल्स विकसित करने के इस कार्यक्रम में १०० नये स्कूलों तथा १५०

प्रवर्तमान स्कूलों को शामिल किया गया है । इन सभी मॉडेल स्कूलों में तमाम इच्छनीय सहूलतें प्रदान की जाती हैं, जैसे कि फर्नीचर, उपकरण, बिजली, ग्रंथालय, कम्प्यूटर लेबोरेटरी, शौचालय, पेयजल सुविधा और विशेष आवश्यकतावाले बच्चों के लिए पहुंच, इत्यादि । उपरांत, खेल-कूद के साधन और सहूलतें, वर्गखंड तथा गलियारों का समुचा विकास स्कूल की अध्यापन की आवश्यकता और सामर्थ्य के अनुसार किया जाता है । ये सभी मिलकर स्कूल के परिसर में सीखने के लिए एक अधिक सुविधापूर्ण वातावरण का निर्माण करता है ।

हर स्कूल की स्थूल मिल्कीयत में उसका भवन सबसे खर्चिला होता है । अतः उसके निर्माण से, शिक्षा के दृष्टिकोण से, महत्तम मूल्य प्राप्त करने की कोशिश की जानी चाहिए । इस प्रवृत्ति द्वारा फर्श, दीवारें, खिडकियाँ, दरवाजे, मैदान, छत, पंखे, फर्नीचर तथा पेड़ जैसे भवन के विभिन्न भागों को इस प्रकार निर्मित किया जाता है कि शिक्षा सहायक उपकरणों की तरह उनका उपयोग किया जा सके । इन सभी बच्चों का स्कूल के वर्गखंड, गलियारे और प्रांगण जैसे आंतरिक एवं बाह्य अवकाश में विभिन्न शैक्षिक परिस्थितियों का सर्जन करने के लिए होता है ।

परिणाम स्वरुप, स्कूल के निर्मित भवन द्वारा ये सुविधाएँ प्रदान होती है :

- शैक्षिक प्रवृत्तिओं को आश्रय
- अध्यापन एवं अध्ययन के लिए स्त्रोत

'बाला' की प्रवृत्ति दो निम्नदर्शित तबकों में कारगर होती है :

- फर्श, दीवारें, छत, खिडकियाँ, फर्नीचर तथा क्रीडांगण जैसे भवन के भागरुप घटकों को शिक्षा-सहायक उपकरणों की तरह डिझाइन करना
- स्कूल के आंतरिक एवं बाह्य अवकाश में बच्चों के स्व-शिक्षण के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करना ।

इसे सिद्ध करने के लिए सिविल वर्क्स के व्यावसायिकों को इस नयी संकल्पना का नवसंस्करण किया गया तथा उन्हें स्कूल के अवकाश को अध्यापनविद्याकीय दृष्टि से संवेदनशील तरीके से आयोजित करने की तालीम दी गई । स्कूल के प्रशासकों को भी उपलब्ध अवकाश तथा निर्मित भागों का असरदार उपयोग करने की तालीम दी गई । अंततेगत्वा, शिक्षकों को भी यह प्रशिक्षण दिया जाएगा । इस वर्ष के दौरान, मॉडल क्लस्टर स्कूलों में निम्नदर्शित प्रवृत्तियाँ की गई ।

• मिस्टरी बोल	• आल्फाबेट बोर्ड
• पाइप फोन इन ग्रेव वार	• ग्रूव्ड राईटिंग पेटर्न ऑन बोल
• मेन्सरमेन्ट स्केल	• डोर एन्गल प्रोटेक्टर
• क्रेक्शन एइड	• टगराम टाइल्स
• प्लेनेटरी ऑर्बिट ऑन ग्राउन्ड	• वर्गखंड नकशा
• प्लेटफोर्म पर स्कूल का नकशा	• देशका नकशा
• खिडकी की जाली पर लेखन - सहायक	• डोट बोर्ड
• ग्रिड बोर्ड	• फर्श और बैठक पर बोर्ड गेम्स
• दीवारों पर आइने	• बोल पेरिस्कोप
• जाली दीवारें	• काउन्टर विन्डो
• लैंगिकरुप से संवेदनशील शब्द	• लम्बीकूद के लिए अवकाश
• प्रांगण में टायर का कोना	• चिल्ड्रन फन बोल

नई दिल्ली के विन्यास सेन्टर फार आर्किटेक्चरल रिसर्च एन्ड डिझाइन से सर्व शिक्षा अभियान के स्कूल भवनों और परिसरों में शिक्षा सहायक भागों के निर्माण के विकास की निगरानी के लिए परामर्श लिया गया है । इस परियोजना के इन्जीनियरों को शिक्षाविदों की उपस्थिति में स्कूल में इन अंगों के डिझाइन विकसीत करने तथा निर्माण करने का कौशल्य प्रदान करने के लिए कार्यशिबिर आयोजित किए गए हैं ।

प्रकरण - १२

वित्त और लेखा

१२.० ऑडिट एन्ड एकाउन्ट्स

सर्व शिक्षा अभियान के वर्ष २००५-०६ के वार्षिक अहेवाल तथा ऑडिटेड अेकाउन्ट्स को निश्चित समयावधि में भारत सरकार को भेजा गया ।

१२.१ एसएसए में वित्तिय प्रदर्शन

गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००६-०७ के लिये कुल रु. ३८०२०.४३ लाख बजेट मंजुर हुआ था, जबकि परियोजना की विविध प्रवृत्तिओं के लिये कुल रु. २७२५९.२३ लाख खर्च किये गये है । धनराशि की मुक्ति एवं प्राप्ति की स्थिति सरल रही, जिसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा रु. १४५०४.७२ लाख तथा गुजरात सरकार द्वारा रु. ७९९९ लाख प्राप्त हुए, जिसके कारण एन्युअल वर्क प्लान और बजेट के कार्यक्रमो के मुताबिक असरदार अमलीकरण में सुगमता हुई ।

(रु. लाख में.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००१-२००२	३७९८.०३	१७६६.२०	३११.७०	२०७७.९०	१३८५.३८
२००२-२००३	१२९५७.९८	९८७२.८०	२२५.००	१२१२२.८०	५४७१.६७
२००३-२००४	२२७७४.४३	११५२५.४९	२१५८.००	१३६८३.४९	१४३१०.८६
२००४-२००५	२४५०७.१८	११२४५.००	६१२१.००	१७३६६.००	१५३६२.६५
२००५-२००६	२६५६६.७५	१२८३०.५७	७५६०.००	२०३९०.५७	२०५१६.२५
२००६ - ०७	३८०२०.४३	१४५०४.७२	७९९९.००	२२५०३.७२	२७२५९.२३

१२.२ एन.पी.इ.जी.इ.एल

गुजरात में एन.पी.इ.जी.इ.एल का प्रारंभ ओकटोबर २००३ में किया गया । वर्ष के दौरान परियोजना की मजबुत बुनियाद डालने की दिशा में खासी प्रगति हुइ है । एनपीईजीईएल की अमलवारी का वर्षवार विवरण इस प्रकार है :

(रु. लाख में)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००३-२००४	७१८.५१	१३४.७२		१३४.७२	४०६.२६
२००४-२००५	४६७६.८७	२८२७.००	११७५.००	४००२.००	३२४६.३२
२००५-२००६	३७६५.४७	२४५४.१४	९५०.००	३४०४.१४	३३१७.९८
२००६-२००७	९१८.५७	३०२.२५	१००.००	४०२.२५	८४६.४१

१२.६ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (के.जी.बी.वी)

वर्ष २००६-०७ के दौरान लघुमति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के वंचित जूथों की कन्याओं के लिये रिहायशी स्कूल सुविधा प्रदान करने के हेतु सर्व शिक्षा अभियान की छत्रछाया में एक नवाचारी कार्यक्रम कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) चुनिंदा दुर्गम विस्तारों में क्रियान्वीत किया गया । वर्ष २००६-०७ के दौरान बजट के अनुसार रु. १२३०.२८ लाख का प्रावधान था, जबकि विविध प्रवृत्तियों में कुल रु. ३२४.९० लाख का खर्च किया गया ।

(रु. लाख में.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००४-२००५	६६२.७०	४९७.०३	-	४९७.०३	२१.१४
२००५-२००६	६६२.७०	-	३३५.००	३३५.००	१५६.५५
२००६-२००७	१२३०.२८	३२६.७६	१.००	३२७.७६	३२४.९०

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A.

Phone : 2748 5446

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

AUDITOR'S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of **Sarva Shiksha Abhiyan Mission Programme, Gujarat State** as at 31st March 2007 and its Income and Expenditure Account, to be read with Notes forming part of Accounts for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India and are specific to particular project expenditure tracked by us. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. '**Sarva Shiksha Abhiyan Mission**' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

   The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

   The Grant received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank Interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities of this programme are treated as Expenditure. The amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

   Subject to Clause No. 3 above we report that:-

   a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts. And the accounts have been maintained using double entry accounting principles.

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A

Phone : 2748 5446

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

b. The Cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer in- charge of the respective officers on the date of our audit. The cash balances, if any, at the year end on 31st March 2007 has not been physically verified by us.

c. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

d. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were generally produced before us for our audit, except those which were not applicable or not required to be maintained.

e. It has been observed during the course of our audit no Grant fund or any part thereof have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of the State Project Director.

f. Based on the records made available for our verification and information given to us we have conducted audit of Procurement Procedure done for procurement of Goods, Works and Services and have nothing material report to there upon.

g. The Books of Accounts of all Sarva Shiksha Abhiyan Mission Districts / Municipal Corporations have been consolidated at State Project Office, Gandhinagar.

For, **P.R.Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Properitor M.No. 44902.
Place: Ahmedabad
Date: 20.09.2007

CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31st March, 2007

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

LIABLITIES	Amount Rs. Current year	Amount Rs Previous year	ASSETS	Amount Rs. Current year	Amount Rs Previous year
Capital Fund			Fixed Assets		
Opening Balance	**1075861502**	1034545651	Civil Works	**0**	0
Funds recd. From Govt. of India			Vehicle	**0**	0
(a) SSA	**1450472000**	1283057000	Equipements	**0**	0
(b) NPEGEL	**30225000**	245414000	**Deposites**		
Funds recd From State Govt.			(a) Fixed Deposits with Banks	**0**	0
(a) SSA	**799900000**	756000000	(b) Deposits with Others	**0**	0
(b) NPEGEL	**10000000**	95000000			
Interest			**Balances at Districts**		
(a) SSA	**26202911**	30169086	(a) Cash at Bank	**182912647**	174503411
(b) NPEGEL	**3145365**	2054397	(b) Cash in Hand	**18499**	40994
Others	**3176959**	13044333	(c) Advances Outstanding	**35215594**	24518307
			(d) Pending Adjustments	**1154302**	0
			Closing Balance at SPO		
	3398983737	3459284468	(a) Cash at Bank	**398110360**	894597228
Less			(b) Cash in Hand	**5187**	39661
Fund Utilized	**2810564456**	2383422965	(c) Outstanding Reimbursement Claim	**0**	140304
Closing Balance	**588419281**	1075861502			
Advances Repayable					
Commissioner MDM Balance	**7530563**	9853602			
Staff Deduction Payables	**3247**	1120			
KGBV Project	**0**	977160			
DPEO Account	**2150**	0			
Retention Money	**5633329**	1175481			
Security Deposite	**683416**	646574			
Bid Security	**251807**	159307			
Performance Security	**2988566**	3757493			
Earnest Money Deposit	**118250**	710000			
Payable to Others	**54339**	697666			
CRC Salary Grant	**7795000**	0			
TRP Salary Grant	**2216637**	0			
Pending Adjustemnts	**829218**	0			
BRC Building Grant	**890786**	0			
Total	**617416589**	1093839905	**Total**	**617416589**	1093839905

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

(A.D.PATEL)
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar
Place : Gandhinagar
Date : 20.09.2007

(MEENA BHATT)
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountant

(Parag R.Raval)
Proprietor M.No.

Place : Ahmedabad
Date : 20.09.2007

CONSOLIDATED INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2007

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

EXPENDITURE	Amount Rs. Current Year	Amount Rs Previous Year
Expenditure at Districts and Sub districts level		
Teachers Salary	0	0
BRC	36327411	31630555
CRC	68888711	70220625
Civil Work	1234082272	876498967
EGS/AIE	208644334	120725100
Free Text Book	60534098	49389550
Innovative Activity	125284993	98643065
IED	79213544	55720927
NPEGEL	84641594	331797668
School Maintenance Grant	247089641	238075247
Management Cost	58224026	44834099
Research & Evaluation	32962249	25650395
School Grant	104802212	90351702
Teachers Grant	84446294	77277136
TLE	77100000	18174522
Teachers Training	204973477	179167392
Community Training	5011848	5194746
State Component		
SIEMAT	0	0
Management Cost	93060950	59275068
Research & Evaluation	5276802	10798202
Others		
	2810564456	*2383422965*
Excess of Income over Expenditure	588419281	1075861502
Total	3398983737	3459284468

INCOME	Amount Rs. Current Year	Amount Rs Previous Year
Funds recd. from Govt. of India		
(a) SSA	1450472000	1283057000
(b) NPEGEL	30225000	245414000
Funds recd. from State Govt		
(a) SSA	799900000	756000000
(b) NPEGEL	10000000	95000000
Interest		
(a) SSA	26202911	30169086
(b) NPEGEL	3145365	2054397
Others		
Grant Returned Savings	2399588	12640484
Tender Fees	770925	210100
R T I Application income	92	0
Miscellaneous Receipts	6354	193749
Balances at districts		
(a) Undisbursed Grant (Opening)	1075861502	1034545651
Total	3398983737	3459284468

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

(A.D PATEL)
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar
Place Gandhinagar
Date 20.09.2007

(MEENA BHATT)
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Pa[illegible] Raval)
Proprietor M No 4[illegible]

Place Ahmedabad
Date 20.09.2007

CONSOLIDATED RECEIPT AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2007

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

RECEIPTS	Amount Rs. Current Year	Amount Rs. Previous Year	PAYMENTS	Amount Rs. Current Year	Amount Rs. Previous Year
Opening Balance			**Amount paid to districts**		
(a) Cash at Bank	**1069100639**	1325730574	**and sub-districts level**		
(b) Cash in Hand	**80655**	131297	**Expenditure at District**		
Funds recd. From Govt.of India			**and sub-districts level**		
(a) SSA	**1450472000**	1283057000	Teachers Salary	**0**	0
(b) NPEGEL	**30225000**	245414000	BRC	**36327411**	31630555
Funds recd. From State Govt			CRC	**68888711**	70220625
(a) SSA	**799900000**	756000000	Civil Work	**1234082272**	876498967
(b) NPEGEL	**10000000**	95000000	EGS / AIE	**208644334**	120725100
Interest			Free Text Book	**60534098**	49389550
(a) SSA	**26202911**	30169086	Innovative Activities	**125284993**	98643065
(b) NPEGEL	**3145365**	2054397	IED	**79213544**	55720927
Others			NPEGEL	**84641594**	331797688
Grant Returned Savings	**2399588**	12640484	School Maintenance	**247089641**	238075247
Tender Fees	**770925**	210100	Management Cost	**58224026**	44834099
R T I Application income	**92**	0	Research and Evaluation	**32962249**	25650395
Miscellaneous Receipts	**6354**	193749	School Grant	**104802212**	90351702
			Teacher Grant	**84446294**	77277136
Increase In Amount Payable	**46234498**	0	TLE	**77100000**	18174522
			Teacher Training	**204973477**	179167392
			Community Training	**5011848**	5194746
			State Component		
			SIEMAT		
			Management Cost	**93060950**	59275068
			Research and Evaluation	**5276802**	10796202
			Other	**0**	0
			Advances Outstanding		
			(a) State Level	**0**	140304
			(b) District Level	**35215594**	24518307
			(c) Sub-District Level	**0**	0
			Closing Balance		
			(a) Cash at Bank	**581023007**	1069100639
			(b) Cash In Hand	**23686**	80655
			Decrease In Amount Payable		285344778
			Increase In Amount Receivable	**11711284**	7993039
Total	**3438538027**	3750600687	**Total**	**3438538027**	3750600687

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

(A.D.PATEL)
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar
Place Gandhinagar
Date 20.09.2007

(MEENA BHATT)
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report
of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag P.Raval)
Proprietor M.No.

Place Ahmedabad
Date 20.09.2007

CONSOLIDATED ANNUAL FINANCIAL STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2007
SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

SOURCE & APPLICATION

	SOURCE (RECEIPTS)	SSA	NPEGEL	TOTAL
	Opening Balance			
(a)	Cash in hand	80655		80655
(b)	Cash at Bank	983713281	85387358	1069100639
	Total	**983793936**	**85387358**	**1069181294**
	Source (Receipt)			0
(a)	Funds received from Government of India	1450472000	30225000	1480697000
(b)	Funds received from State Government	799900000	10000000	809900000
(c)	Interest	26202911	3145365	29348276
	Others			
(a)	Grant Returned Savings	2399588	0	2399588
(b)	Tender Fees	770925	0	770925
(c)	Notice pay Income	92	0	92
(d)	Miscellenous income	6354	0	6354
(e)	Balance Payment / Receivable Inflow net	34523214	0	34523214
	TOTAL RECEIPTS	**3298069020**	**128757723**	**3426826743**

	APPLICATION (EXPENDITURE)	Approved AWP&B including spill over	Expenditure Incurred	Savings
	Payments			
(a)	Teachers Salary	0	0	0
(b)	BRC	28808000	36327411	-7519411
(c)	CRC	80010900	68888711	11122189
(d)	Civil Work	1926980000	1234082272	692897728
(e)	EGS / AIE	355352100	208644334	146707766
(f)	Free Text Book	72816800	60534098	12282702
(g)	Innovative Acitivities	162500000	125284993	37215007
(h)	IED	93382800	79213544	14169256
(i)	NPEGEL	91856800	84641594	7215206
(j)	School Maintenance Grant	267775000	247089641	20685359
(k)	Management Cost	89297000	58224026	31072974
(l)	Research & Evaluation	39475400	32962249	6513151
(m)	School Grant	107110000	104802212	2307788
(n)	Teacher Grant	87252000	84446294	2805706
(o)	TLE	109750000	77100000	32650000
(p)	Teachers Trainning	244305600	204973477	39332123
(q)	Community Trainning	8631800	5011848	3619952
(r)	SIEMAT	0	0	0
(s)	State Component	128595200	98337752	30257448
(t)	Advance Outstanding	0	35215594	
	TOTAL EXPENDITURE	**3893899400**	**2845780050**	**1048119350**
	Closing Balance		**581046693**	
(a)	Cash in hand		23686	
(b)	Cash at Bank		581023007	
	Total		**581046693**	

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

(A D PATEL)
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar
Place : Gandhinagar
Date : 20.09.2007

(MEENA BHATT)
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No 44902

Place : Ahmedabad
Date : 20.09.2007

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A.

Phone : 2748 5446

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

PROCUREMENT AUDIT CERTIFICATE

"This is to certify that we have gone through the procurement procedure used for the State for SSA and based on the audit of the records for the year 2006-2007 for the Gujarat Council of Primary Education and inputs from the district audit reports, we are generally satisfied with the procurement procedure adopted by SSA Gujarat as prescribed in the Manual of Financial Management and Procurement under SSA.

For,
P.R.Raval & Co.,
(Chartered Accountants)

(Parag R Raval)
Mem. No. 44902.

Place: Ahmedabad
Date: 17.10.2007

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION PROGRAMME, GUJARAT STATE

a. '**SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION PROGRAMME, GUJARAT**' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

b. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention and on cash basis.

c. The Grant Received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant or previous years, Bank interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

d. Grant amount disbursed under a particular budget head in the current financial year and returned as unspent / unutilized in the current financial year are reversed in that same budget head itself. And Grant amount disbursed under a particular budget head in the previous financial years and returned as unspent / unutilized in the current financial year are considered as Grant Returned (Savings) and treated as Income.

In terms of the Programme, in a particular year, if an outlay approved is not spent fully the same becomes outlay saved and this shall be treated under non-recurrent heads and becomes eligible for being considered as spill over activities for the forthcoming year.

e. No Grant fund or any part there of have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of State Project Director, the implementing authority of this Programme.

f. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties. The bank balances are reconciling with respective bank's balances

g. The State Project Office, during the course of implementation of this Program has complied with all the relevant business laws as applicable to each transaction. The Programme does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year under review.

h. Figures have been rounded to nearest rupee.

A.D.Patel
Finance & Account Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission
Gujarat State
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Meena Bhatt
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan *Mission*
Gujarat State
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place: Gandhinagar
Date: 20.09.2007

As per our Audit Report of even date attached
For, **P.R.Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Properitor M.No. 44902..

Place: Ahmedabad
Date: 20.09.2007

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A

Phone : 2748 5446

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

AUDITOR'S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of **Kasturba Gandhi Balika Vidyalay Programme, Gujarat State** as at 31st March 2007 and its Income and Expenditure Account, to be read with Notes forming part of Accounts for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India and are specific to particular project expenditure tracked by us. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. 'Kasturba Gandhi Balika Vidyalay' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

   The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

   The Grant received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank Interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities of this programme are treated as Expenditure. The amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

   Subject to Clause No. 3 above we report that:-

   a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts. And the accounts have been maintained using double entry accounting principles.

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A

Phone : 2748 5446

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Harl Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

b. The Cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer in- charge of the respective officers on the date of our audit. The cash balances, if any, at the year end on 31st March 2007 has not been physically verified by us..

c. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

d. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were generally produced before us for our audit, except those which were not applicable or not required to be maintained.

e. It has been observed during the course of our audit no Grant fund or any part thereof have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of the State Project Director.

For, **P.R.Raval & Co.,**
Chartered Accountants

P. R. RAVAL & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

(Parag R Raval)
Properitor M.No. 44902
Place: Ahmedabad
Date: 20.09.2007

GUJARAT COUNCIL OF PRIMARY EDUCATION
KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME
GUJARAT STATE

BALANCE SHEET *AS AT 31.03.2007*

SOURCES		Amount *Rs*	*APPLICATIONS*		Amount *Rs*
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES**		
			[At State & District Level]		
Opening Balance	68091255				
Add:			Bank Balance with SPO	53458184	
Balance Brought Forward from Income and Expenditure A/c	3310346	**71401601**	Cash in Hand	0	**53458184**
PAYABLES					
(At State Level)			**RECEIVABLES**		
			(At State & District Level)		
Performance Security & R M	519291				
Earnest Money Deposit	374300	**893591**	Advance to Mahila Samakhya	1708919	
			Balance With Districts	17088240	**18797159**
			Pending Adjustments	39849	**39849**
TOTAL		**72295192**	**TOTAL**		**72295192**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

(A.D PATEL)
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar
Place Gandhinagar
Date 20.09.2007

(MEENA BHATT)
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report
of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44903

Place Ahmedabad
Date 20.09.2007

GUJARAT COUNCIL OF PRIMARY EDUCATION
KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME
GUJARAT STATE

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 31.03.2007.*

INCOME (Receipts)		Amount *Rs.*	EXPENDITURE (Payments)	Amount *Rs.*
Grant Received from GOI	32676000		GRANT DISBURSED / REVERSED	
Grant Received from GOG	100000	32776000	*[At State & District Level]*	
			Non Recurring Expenses	13547801
Bank Interest		2515235	As per Annexure	
Tender Fee Received		7150	**Recurring Expenses**	18440238
			As per Annexure	
			Balance of Income over Expenditure Carried Forward to Balance Sheet	**3310346**
TOTAL		**35298385**	**TOTAL**	**35298385**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

(A D PATEL)
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar
Place : Gandhinagar
Date : 20.09.2007

(MEENA BHATT)
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44902

Place : Ahmedabad
Date : 20.09.2007

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

KASTURBA GANDHI VIDYALAY PROGRAMME, GUJARAT STATE

a. 'Kasturba Gandhi Balika Vidyalay ' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

b. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention and on cash basis.

c. The Grant Received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant or previous years, Bank interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

d. Grant amount disbursed under a particular budget head in the current financial year and returned as unspent / unutilized in the current financial year are reversed in that same budget head itself. And Grant amount disbursed under a particular budget head in the previous financial years and returned as unspent / unutilized in the current financial year are considered as Grant Returned (Savings) and treated as Income.

e. No Grant fund or any part there of have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of State Project Director, the implementing authority of this Programme.

f. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties. The bank balances are reconciling with respective bank's balances

g. The State Project Office, during the course of implementation of this Program has complied with all the relevant business laws as applicable to each transaction. The Programme does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year, under review.

h. Figures have been rounded to nearest rupee.

A.D.Patel
Finance & Account Officer
Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay
Programme. Gujarat State
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Meena Bhatt
State Project Director
Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay
Programme. Gujarat State
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place: Gandhinagar
Date: 20.09.2007

As per our Audit Report of Even date Attached.
For, **P.R.Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 440902.

Place: Ahmedabad.
Date: 20.09.2007

Utilization Certificate under SSAM for the year ended 31.3.2007

Sr.No	Santion Letter No, and Date	Amount Rs	Amount Rs
		SSA	**TOTAL**
1	MHRD F 8-13/2005- EE-6 dated 03-07-2006	700472000	700472000
2	MHRD F 8-13/2005- EE-6 dated 14-11-2006	750000000	750000000
3	As per instruction in Approved AWP&B, saving of SSA Earthquake Programme		
	TOTAL	**1450472000**	**1450472000**

1 Certified that out of **Rs.14504.72 Lacs** *(One Hundred Forty Five Crores Four Lacs Seventy Two Thousand only)* grant in aid sanctioned **during the year 2006-2007** vide **Ministry of Human Resource Development, Department Elementary Education and Literacy** letter Nos noted against each and **Rs. 196.52 Lacs (Refer Annexure A)** (One *Crores Ninety Six Lacs Fifty Two Thousand only*) on account of interest earned during the period 2006-2007 and **Rs. 18.00 Lacs (Refer Annexure A)** (Eighteen *Lacs Eighty Thousand Only)* on account Grant Return Savings during the period 2006-2007 and **Rs. 5.83 Lacs (Refer Annexure A)** (Five *Lacs Eighty Three Thousand Only*) on account of Other Income earned during the period 2006-2007 and a sum of **Rs.20444.42 Lacs (Refer Annexure A)** (Two *Hundred Four Crores Forty Four Lacs Forty Two Thousand Only*) has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the balance of **Rs. (771.04) Lacs (Refer Annexure A)** (Seven *Crores Seventy One Lacs Four Thousand only)* remaining unutilized at the end of the year will be adjusted towards the grants in aid payable during the next year i e 2007-2008

2. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grant in aid was sanctioned have been fully fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which is was sanctioned

Kinds of Checks exercised

1 Utilization Certificate
2 Annexure – A
3 G O G Grant Statement

(A.D.PATEL)
F.A.& A.O
Sarva Shiksha Abhiyan Mission
State Project Office
Gujarat

Date: 20.09.2007

AUDITORS CERTIFICATE

We have verified the above statement with the books and records produced before us for our verification and found the same has been drawn in accordance therewith. to be read alognwith our Audit Report for the year ended 31.03.2007

Date:. 20.09.2007

For, P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M. No 44902.

State: GUJARAT

Annexure A Part of the Utilization Certificate for the F.Y.2006-07
Sarva Shiksha Abhiyan Mission

Particulars	G.O.I 75%	G.O.G 25%	Total 100%
Unutilised Opening Balance (As per Previous Certificate)	4,948.31	5,217.75	10,166.06
Add :			
Grant Received During the Year	14,504.72	7,999.00	22,503.72
Add:			
Interest Earned (Total Amount Shared in 75:25 Ratio)	196.52	65.51	262.03
Other Income (Total Amount Shared in 75:25 Ratio)	5.83	1.94	7.77
Grant Returned Savings (Total Amount Shared in 75:25 Ratio)	18.00	6.00	24.00
Less:			
Expenditure for the year 2006-2007 (Total Amount Shared in 75:25 Ratio)	20,444.42	6,814.81	27,259.23
Unutilised Closing Balance of Grant	**(771.04)**	**6,475.39**	**5,704.35**

To be carried forward to the next year i.e. 2007-2008

Utilization Certificate under KGBV for the year ended 31.3.2007

Sr.No.	Santion Letter No, and Date	Amount Rs.	Amount Rs.
		KGBV	**TOTAL**
1	S.21-5(GUJ 05)/2006 – EE-8 Dated 23/03/2006	32676000	32676000
	TOTAL	**32676000**	**32676000**

1 Certified that out of **Rs.326.76 Lacs** *(Three Crores Twenty Six Lacs Seventy Six Thousand only)* grant in aid sanctioned **during the year 2006-2007** vide **Ministry of Human Resource Development, Department Elementary Education and Literacy** letter Nos noted against each and **Rs. 20.57 Lacs (Refer Annexure A)** (Twenty *Lacs Fifty Seven Thousand Only*) on account of interest and **Rs. 0.05 Lacs (Refer Annexure A)** (Five Thousands Only) earned during the period 2006-2007 **Rs. 383.69 (Refer Annexure A)** (*Rupees Three Crores Eighty Three Lacs Sixty Nine Thousands Only*) on account of unspent balance of the Previous year and a sum of **Rs.237.84 Lacs (Refer Annexure A)** (Two Crores Thirty Seven Lacs Eighty Four Thousand *Only*) has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the balance of **Rs. 493.23 Lacs (Refer Annexure A)** (Four *Crores Ninety Three Lacs Twenty Three Thousands Only)* remaining unutilized at the end of the year will be adjusted towards the grants in aid payable during the next year i.e. 2007-2008

2. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grant in aid was sanctioned have been fully fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which is was sanctioned.

Kinds of Checks exercised

1. Utilization Certificate
2. Annexure - A
3. G.O.G. Grant Statement

(A.D.PATEL)
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gujarat

(MEENA BHATT)
State Project Dircetor
Sarva Shiksha Abhiyan Mission
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gujarat

Date:.20/09/2007.

AUDITORS CERTIFICATE

We have verified the above statement with the books and records produced before us for our verification and found the same has been drawn in accordance therewith, to be read alognwith our Audit Report for the year ended 31.03.2007.

Date:20/09/2007.

For, **P.R.Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M. No 44902

State: GUJARAT

Annexure A Part of the Utilization Certificate for the F.Y.2006-07

KGBV

Particulars	G.O.I 75%	G.O.G 25%	Total 100%
Unutilised Opening Balance *(As per Previous Certificate)*	383.69	297.22	680.91
Add :			
Grant Received During the Year	326.76	1.00	327.76
Add:			
Interest Earned *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	20.57	6.86	27.43
Other Income *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	0.05	0.02	0.07
Grant Returned Savings *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*			-
Less:			
Expenditure for the year 2006-2007 *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	237.84	79.28	317.12
Unutilised Closing Balance of Grant	**493.23**	**225.81**	**719.05**

To be carried forward to the next year i.e. 2007-2008

SSA MISSION

FMR-I

Name of the State **Gujarat**

Expenditure Report Summary

For the Financial Year 2006-2007

(Rs.in Lacs.)

Name of the State	Scheme	AWP & B 2006-07	Opening Balance as on 01/04/06	Release by GOI	Release by State	Reported Expenditure Up to 31.03.07	Estimated AWP & B for Next FY.2007-08
	SSA	38020.43	10,166.06	14504.72	7999.00	27259.23	35714.96
Gujarat							
	NPEGEL	918.568	592.55	302.25	100.00	846.42	726.46
Total		**38938.998**	**10758.61**	**14806.97**	**8099.00**	**28105.64**	**36441.42**

Except the AWP&B figures, we certify all the above figures.

For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44902

Place : Ahmedabad
Date : 20.09.2007

SSA MISSION

FMR-II

Name of the State Gujarat **Gujarat**

(Rs. In Lacs.)

Activity wise Expenditure Statement of SSA Upto 31.03.2007		
Sr.No.	**Activity wise Expenditure**	**01.04.2006 to 31.03.2007.**
1	New Primary School	0
2	New upper Primary School	0
3	Block Resource Centre	363.27
4	Cluster Resource Centre	688.89
5	Civil Works	12340.82
7	Interventions for Out of School Children	2086.44
9	Innovative Activities	1252.85
10	Interventions for Disabled Children	792.14
11	Maintenance Grants	2470.90
12	Management & MIS	582.24
13	Research & Evaluations	329.62
14	School Grants	1048.02
15	Teacher Grants	844.46
16	TLE	771.00
17	Teachers Training	2049.73
18	Community Mobilizations	50.12
19	SIEMAT	
20	State Components	983.38
21	NPEGEL	846.42
22	Free Text Book	605.34
	Total	**28105.64**

We certify all the above figures

For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M No. 44902

Place : Ahmedabad
Date : 20.09.2007

सर्व शिक्षा अभियान में विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा

गांधीनगर के टाउनहॉल में राज्य स्तर के सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सामूहिक संतुलन और संकलन प्रदर्शित करता हुआ श्रवणक्षतियुक्त तरुणो का जूथ ।

एस. एस. ए. के तहत गुजरात में राज्य, जिला, क्लस्टर और ग्राम स्तर पर ध्वजवंदन मनाया जाता है । इस उपलक्ष्य में अमरेली जिले के एक गॉव में निकाले गए जुलूस का एक दृश्य ।

एस. एस. ए. में आ.इ.डी. के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति है बच्चों की विभिन्न विकलांगता की मात्रा सुनिश्चित करना । प्रस्तुत चित्र में दृष्टिक्षतियुक्त बच्चों की विकलांगता के आकलन के लिए जिला स्तर पर आयोजित एक कैम्प का दृश्य दिखाया गया है ।

सर्व शिक्षा अभियान में विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा दिये गए व्यावसायिक प्रशिक्षण के दौरान सुंदर, बहुरंगी और स्व-निर्मित पतंग प्रदर्शित करते हुए विशेष आवश्यकतावाले बच्चे ।

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा प्रदान किए गए अस्थिविकलांगता के लिए सहायक उपकरणों से लाभान्वित दो बच्चों का चित्र ।

विशेष आवश्यकतावाले बच्चों का स्कूल में स्थायीकरण सुनिश्चित करने के हेतु से उन्हें विशेष किट प्रदान की गइ । एन.जी.ओ. द्वारा दिए गए किट के साथ खडे हुए बच्चे चित्र में दिख रहे हैं ।

कन्या शिक्षा प्रोत्साहन सर्व शिक्षा अभियान के द्वारा

स्कूलों में कन्याओं के नामांकन एवं स्थायीकरण को सुनिश्चित करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान द्वारा स्थानिक समर्थन के जरिए ग्रामीण लोगों में सफलतापूर्वक जागृति का संचार किया गया । प्रस्तुत चित्र में परंपरागत वस्त्र परिधान लिए हुए एक रबारी महिला को दर्शाया गया है, जो कि गाँववालों को अपनी बेटियों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित कर रही है ।

अविकसित दुर्गम क्षेत्रों में वंचित जूथों की अधिकतम कन्याओंके लिये पर्यटन और प्रवास जैसे प्रसंग अच्छे शैक्षिक अनुभव साबित होते हैं। इस चित्र में के.जी.बी.वी. की कन्याओं को रेल्वे स्टेशन की मुलाकात के दौरान गुजरती हुई ट्रेन को देखते हुए दर्शाया गया है ।

एन.पी.इ.जी.इ.एल. के तहत कन्याओं को साइकिल चलाना सिखाया जाता है, जो कि ग्रामीण और शहरी झोपडपट्टी विस्तारों के लिए एक उपयुक्त और किफायती वाहन होता है । साइकिल सवारी द्वारा इन कन्याओं को आत्मविश्वास, सशक्तिकरण और एक ताजगीभरा एहसास प्राप्त होता है, साथ ही उन्हें स्वतंत्र वाहन की सहूलियत भी मिलती है ।

कन्या शिक्षा प्रोत्साहन सर्व शिक्षा अभियान के द्वारा

एन.पी.ई.जी.ई.एल. और के.जी.बी.वी. में कन्याओं को आत्मसुरक्षा की तालीम देने पर जोर दिया जाता है, जो कि उनके आत्म-विश्वास को बढ़ाने के लिए आवश्यक है । यह दृश्य है हमलावर से बचने के लिए लाठी चलाने का प्रशिक्षण पाती हुई कन्याओं का ।

एस.एस.ए. मिशन द्वारा कन्याओं को कइ उपयोगी चीजों के उत्पादन की तालीम दी जाती है, जैसे कि नहाने एवं कपड़े धोने के साबुन, पेट्रोलियम जेली वगैरह, जिन की बिक्री ग्रामीण तथा शहरी झोपड़पट्टी विस्तारों में खूब होती है । यह चित्र ऐसे ही एक प्रशिक्षण को पाती हुई कन्याओं का ।

इन दिनों कम्प्यूटर शिक्षाके बिना प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण नहि होती । एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत निर्मित मोडल क्लस्टर स्कूलों में कम्प्यूटर शिक्षा एवं कम्प्यूटर सहायित शिक्षा की बुनियादी सुविधाएँ दी जाती हैं । चित्र में कम्प्यूटर के उपयोग को सीखने में मग्न कन्याएं नजर आ रही हैं ।

एस. एस. ए. मिशन के तहत निर्माण कार्य

अतिरिक्त वर्गखंडों के निर्माण से स्कूलों में बच्चों की भीड की समस्या असरदार रुप से समाप्त हो गइ है । इस चित्र में साबरकांठा जिले के हरे-भरे परिवेश में एस. एस. ए. द्वारा निर्मित अतिरिक्त वर्गखंड को दिखाया गया है ।

नये स्कूल भवनों का निर्माण करके सर्व शिक्षा अभियान ने बच्चों के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा की पहुँच की समस्या का समाधान कर दिया है । यह चित्र है जूनागढ जिले के सूत्रापाडा में निर्मित एक नये स्कूल भवन का ।

अकसर जहाँ सूखा पडा करता है ऐसे गुजरात के विस्तारों मे रेइन वोटर हार्वेस्टिंग एक बहुत खास नवाचार साबित हुआ है । इस सुविधा का निर्माण वर्षाजल के संग्रह द्वारा स्कूलों मे पेयजल की उपलब्धि को सुनिश्चित करता है । इस चित्र में ऐसे ही एक रेइनवोटर हार्वेस्टींग सिस्टम से पेय जल लेते हुए नजर आ रहे है ।

एस. एस. ए. मिशन के तहत निर्माण कार्य

शहरी विस्तारों में बडी संख्या में विद्यार्थियों को सुविधा दे सके ऐसे स्कूलों की आवश्यकता तो बहुत होती है, मगर इसके लिए जमीन की तंगी हमेशा होती है । एस. एस. ए. ने बहुमंझिला भवनों का निर्माण करके इस समस्या को सुलझाया है । प्रस्तुत चित्र पाटन जिले के चाणस्मा में निर्मित ऐसे ही एक भवनको दर्शाता है ।

कन्याओं के लिये अलग शौचालय की सुविधावाले स्वच्छता संकुलों के निर्माण ने गुजरात में कन्याओं के स्थायीकरण पर बहुत अच्छा प्रभाव डाला है । इस चित्र मे महेसाणा जिले के हनुमाननगर में बनाये गए ऐसे ही एक संकुल को दिखाया गया है ।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना द्वारा दूर्गम विस्तारों में वंचित जूथ की कन्याओं को रिहायशी सुविधा के साथ प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाती है । चित्र में के.जी.बी.वी. के ऐसे ही एक भवन को देखा जा सकता है ।

एस. एस. ए. के तहत निर्माण कार्य : 'बाला'

मूलाक्षरों के आकार का उपयोग उनके ध्वनि के समान लगनेवाली वस्तुओं के चित्र बनाने में किया जा सकता है । यह एक मजेदार तरीका है मूलाक्षरों को सीखने का तथा उनके आकारों को पहचानने का । बच्चे इन मूलाक्षर के चित्रों का उपयोग करके शब्द और वाक्य बना सकते हैं । यह एक दिलचस्प प्रवृत्ति हो सकती है भाषा सीखने की ।

यह चित्र दिखा रहा है एक विशाल पाइप को, जो कि एक पेरिस्कोप का काम करता है । यह एक रोचक, विज्ञान प्रवृत्ति हो सकती है, जिसे पेरिस्कोप ही नहि, पाइप फोन की तरह उपयोग में लाकर एक में दो का मजा लिया जा सकता है ।

यह चित्र है एक काउन्टर विन्डो या सेवा खिडकी का, जहाँ पर बच्चें वयस्कों की दुनिया का नाटयात्मक स्वरुप खडा करके भविष्य की भूमिकाओं के लिए स्वयं को तैयार कर सकते हैं । पोस्ट मास्टर, दुकानदार और बस ड्राइवर का या ट्रेइन और सिनेमागृह की टिकट विन्डो का खेल खेलने के लिए बच्चें इस जगह को इस्तेमाल कर सकते हैं ।

एस. एस. ए. के तहत निर्माण कार्य : 'बाला'

वर्गखंड, दरवाजों और खिड़कियों की लम्बाई, चौडाई और उंचाई को चित्रित कर के बच्चों को सरलता से सिखाया जा सकता है कि वास्तव में २ मीटर, ३ मीटर या ६ मीटर कितना बडा होता है। इसी प्रकार फर्शपट्टी की इकाइ को रंगीन बनाकर गलियारे की समग्र लम्बाई का आकलन किया जा सकता है ।

यह चित्र है फ्रेक्शन एइड का । पूर्णांक और अपूर्णांक की संकल्पना को समझना तब आसान हो जाता है जब उसका वास्तविक चित्रण बच्चे देख सकें और उसे छूकर महसूस कर सके । अपूर्णांको के प्रभावों को खिडकी की जाली पर फर्श और दिवारों की टाईल्स पर भी किया जा सकता हैं ।

यह है वर्गखंड के दरवाजे के नीचे फर्श पर बना डोर एन्गल-प्रोटेक्टर । कोंणों का माप दिखाने के लिए उसे अलग-अलग रंगों से रंगा गया है । दरवाजा घूमकर कइ कोणों मे खुलता है । इसे कइ तरीको से बनाया जा सकता है - कोणिय रेखाओं को चित्रित कर या फर्श पट्टियां की मरम्मत करते वक्त या नया फर्श बनाने के वक्त ।

एस. एस. ए. मिशन में अद्यापन और शिक्षक प्रशिक्षण

एडेप्ट्स के विषय पर अहमदाबाद में २८ नवम्बर से १ दिसम्बर २००६ के दौरान आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशिबिर में हिस्सा लेनेवाले प्रतिभागियों का एक दृश्य ।

गुजरात में शिक्षक प्रशिक्षण को दो तबक्कों में इस तरह से आयोजित किया जाता है कि अद्यापन समय का नुकशान कम से कम हो । यह चित्र है की - रिसोर्स पर्सन्सका जो कि मास्टर ट्रेनर्स को कक्षा ५ से ७ में अंग्रेजी के वस्तु आधारित अद्यापन की तालीम देते हुए नजर आ रहे है ।

गुजरात में शिक्षक प्रशिक्षण कास्केड मोड में राज्य से सी. आर. सी. स्तर तक आयोजित किया जाता है। बी. आर. सी. स्तर प्रशिक्षण पाते हुए सी. आर. सी. को.ऑर्डिनेटर्स इस दृश्य में नजर आ रहे हैं ।

गुजरात में शिक्षक प्रशिक्षण का केन्द्र बिंन्दु है

प्रवृत्ति आधारित तरंग - उल्लासमय शिक्षा के द्वारा शिक्षक सिखने की प्रक्रिया को दिलचश्प एवं मजेदार बनाकर प्रयास करते हैं, ता कि बच्चों को ऐसी शैक्षिक प्रवृत्तियों में लगाया जाए जिस में उन्हें खूब आनंद आए । अध्यापन के इस पहेलूकी तालीम लेते हुए शिक्षक इस चित्र में नजर आ रहे हैं ।

अध्यापन एवं अन्य शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन हर महिने किया जाता है, जिस पर सी.आर.सी. स्तर पर नियमित चर्चा - विचारणा होती है । यह द्रश्य है ऐसी ही एक मासिक बैठक का जिस में शिक्षक अपने आयोजन की बात करते हुए दिख रहे हैं ।

डिस्ट्रीक्ट टीचर ट्रेनिंग को.ओर्डिनेटर जिला स्तर पर बी. आर. सी. को.ओर्डिनेटर्स की विभिन्न अध्यापन संबंधित प्रवृत्तियों की समीक्षा करते है, जिस दौरान अनुभवों के आदान-प्रदान से सभी को खूब लाभ मिलता है । इस चित्र में बी. आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए डिस्ट्रीक्ट टीचर ट्रेनिंग को.ओर्डिनेटर्स नजर आ रहे है ।

एस. एस. मिशन में वैकल्पिक शिक्षा

बैक टू स्कूल कार्यक्रम के अंतर्गत कभी भी नामांकित न हुए और बिच में ही अभ्यास छोड चुके बच्चों के लिए उनके अनुकूल स्थान और समय पर वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र खोले जाते हैं । प्रस्तुत चित्र में स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों को पढाते हुए बालमित्र नजर आ रहे हैं ।

यह दृश्य है एक वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र का जिस में एक महिला बालमित्र रंगीन चित्रावलि के जरिए बच्चों को अंग्रेजी सीखाती हुई नजर आ रही हैं ।

बैक-टू- स्कूल कार्यक्रम का उद्देश्य है बाहर रहनेवाले बच्चों को समाविष्ट करके प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने का । एक बार पर्याप्त सिद्धि स्तर वे ग्रहण कर लें उसके बाद उन्हें नियमित स्कूलों में प्रवेश दिया जाता है और इस प्रकार उन्हे शिक्षा के मुख्य प्रवाह में जोड दिया जाता है ।

एस. एस. मिशन में वैकल्पिक शिक्षा

गांधीनगर स्थित बाइसेग के स्टूडियो से प्रसारित की जा रही राज्यव्यापी टेलिकोन्फरन्स का एक दृश्य, जिस में एक महिला बालमित्र वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र का निर्देशन वर्ग लेती हुई नजर आ रही है ।

वैकल्पिक शिक्षा के विषय पर आधारित टेलिकोन्फरन्स में प्रारंभिक शिक्षा के महत्त्व के बारे में जागृति लाने के लिए निर्मित नाटिका में अभिनय करते हुए बच्चे, जो कि गांधीनगर के पास एक वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र में नामांकित है ।

वैकल्पिक शिक्षा के विषय पर आधारित टेलिकोन्फरन्स के दौरान आयोजित निर्देशन पाठ के दौरान रस्सी कुदती हुई कन्या का एक दृश्य ।

एस. एस. ए. में टेलिकोन्फरन्स

गुजरातमें डिस्टन्स एज्युकेशन मोड में परियोजना कर्मचारियों को विविध विषयों का प्रशिक्षण टेलिकोन्फरन्स के जरिए दिया जाता है । इस दृश्य में स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुश्री मीना भट्ट एक श्रवणक्षतियुक्त कन्या से वार्ता कर रही है, जो कि होठों के हलन-चलन को इतनी अच्छी तरह से पढ सकती है कि श्रवण साधनों के बिना भी वह आराम से बात - चीत कर लेती है ।

टेलिकोन्फरन्स के माध्यम से एस. एस. ए. मिशन के भिन्न-भिन्न घटकों का प्रशिक्षण दिया जाता है । वैकल्पिक शिक्षा के विषय पर आधारित एक टेलिकोन्फरन्स में भाग लेने के लिए आए हुए बालमित्रों, वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र में नामांकित बच्चों और उनके माता-पिता के साथ भेंट करती हुई सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर ।

वर्ष २००७-०८ के लिए एन्युअल वर्क प्लान और बजेट बनाने के विषय पर आयोजित टेलिकोन्फरन्स का दृश्य, जिस में तज्ज्ञों की पेनल का नेतृत्व सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर कर रही हैं । उनके बांये हैं डॉ. डी. आर. शर्मा, ओ. आई.सी. (पी ऐन्ड एम), श्री ए. डी. पटेल, एफ. ए. एन्ड ए. ओ और श्री दीपक चौहाण, ओ. आई. सी. (एम.आई.एस), जब कि उनके बांये हैं श्री हेमन्त शुक्ला, ओ. आई. सी. (मिडिया एन्ड डोक्यूमेन्टेशन) ।

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद्
सर्व शिक्षा अभियान मिशन
सेक्टर - १७,गांधीनगर
गुजरात